R.N.I No. : 59665/92 डाक पंजीयन संख्या: SSP/LW/NP/115/2021-2023

पर्यूषण महापर्व विशेषांक

1 दिसम्बर 1895 से प्रकाशित जैन समाज का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक

जैन गज़ट

www.Jaingazette.com

वर्ष 30 अंक 41 कुल पृष्ठ 16 लखनऊ, प्रकाशन तिथि- सोमवार 29 अगस्त 2022, वीर नि. संवत् 2548

(JAIN GAZETTE WEEKLY) Unit : Sri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha jaingazette2@gmail.com

जैन गज़ट की ओर से पर्युषण पर्व की शुभकामनायें

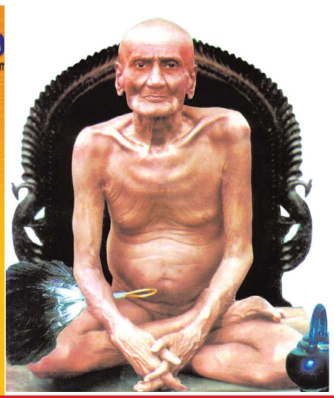

बीसवीं सदी के प्रथमाचार्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर जी महाराज

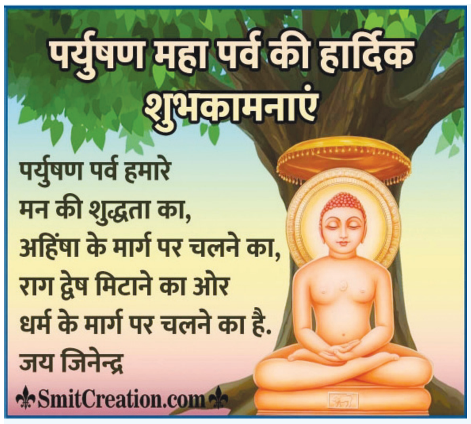

पर्यूषण: आत्म विकास का सफर

विशेष सम्पादकीय

कपूरचंद जैन पाटनी, गुवाहाटी, सम्पादक

पर्यूषण पर्व साधक के लिए धार्मिक त्यौहार को साधक मन और इंद्रिय का संयमन कर जागरूकता के साथ जीता है। आज की जीवन शैली सुविधा और स्वार्थ प्रधान होती जा रही है, इसलिए यह अत्यंत आवश्यक हो गया है कि पर्यूषण जैसे महापर्व को वैज्ञानिक एवं मनोवैज्ञानिक ढंग से मनाया जाए। आडंबर और प्रदर्शन से दूर रहकर इस पर्व की आध्यात्मिकता को उभार कर नए संदर्भ में प्रस्तुत किया जाए। उपभोक्तावाद और आतंकवाद इन दोनों की जड़ में छुपी हिंसा और परिग्रह का समाधान अहिंसा और अपरिग्रह में खोजा जाए, क्योंकि यह महापर्व विश्व शांति का संदेश देने वाला है। कौन नहीं जानता कि भगवान महावीर का उपदेश प्राणी मात्र को सुख शांति का संदेश देता है। इसलिए पर्यूषण का पहला उपदेश है-प्राणी मात्र को अपने बराबर समझो। पृथ्वी, पानी और वनस्पति के जीव में सुख प्रियता का भाव जैसा है वैसा ही एक बुद्धिमान प्राणी में है और जैसा बुद्धिमान में है वैसा ही मूर्च्छित चेतनावान स्थावर जीवों में। यह पर्व लौकिक पर्वों की तरह नहीं है, इसलिए इसकी आराधना अलौकिक विधि से होनी चाहिए। समय का अपना एक प्रभाव होता है। पर्यूषण पर्व के आते ही एक नई चेतना का जागरण होता है। यह चेतना उसे चालू जीवन की लकीर से हटकर उससे भिन्न नई लकीर खींचने का प्रेरणा देता है। यह फिर से एक बार मुड़कर झांकने को विवश करती है। **शेष पृष्ठ 14 पर...............**

मदनगंज किशनगढ़ से किसी भी तरह का मार्बल एवं ग्रेनाइट उचित रेट पर सही माल खरीदने के लिये मात्र 5 प्रतिशत कमीशन पर सम्पर्क कीजिये

मार्बल खरीदने में निम्न समस्याएं आती हैं -

1. खरीददारों को मार्बल की सही जानकारी नहीं होना।
2. नाप - चौक का पूरा ज्ञान न होना।
3. पूरी कीमत अदा करने पर भी कीमत के अनुरूप माल न मिलना।
4. मार्बल की सही जानकारी न होने के कारण मार्बल फिटर द्वारा 10 से 30 प्रतिशत विक्रेता का शोषण होना।
5. विश्वसनीय मार्बल विक्रेताओं की जानकारी न होने के कारण अविश्वसनीय विक्रेता के हत्थे चढ़ जाना।

मार्बल खरीदने हेतु जयपुर में सम्पर्क कीजिये

शेखर चन्द पाटनी, मो. 9667168267 रोहित कुमार पाटनी, डायरेक्टर- मोबा. 8003892803, email : rkpatni777@gmail.com

सम्पर्क-सूत्र पता - सुशीला इनक्लेव, फ्लैट नं. 101, फस्ट फ्लोर, अपो. जैन मंदिर एवरेस्ट कॉलोनी, लाल कोठी, जयपुर (राज.)

अति प्राचीन मनोरथ पूर्ण 1008 श्री मुनिसुव्रतनाथ अतिशय क्षेत्र, प्रभुसर हस्तेड़ा जयपुर

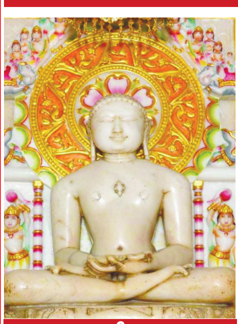

869 साल प्राचीन मूलनायक श्री मुनिसुव्रतनाथ प्रतिमा

शांतिधारा का प्रसारण

LIVE

आरती : 7:15 - 7:45 AM

शांतिधारा : 8:30 AM

@jainmandirhasteda

नामांकित शांतिधारा पुण्यार्जन के लिए संपर्क करें:

अमित शर्मा (Manager)-9783016885

नामांकित शांतिधारा के लिए किसी भी राशि का आग्रह नहीं है।

हस्तेड़ा जैन मंदिर दूरी-दिल्ली से 250 किमी.एवं जयपुर से 65 किमी.

संपर्क सूत्र:

नितिन कुमार पाटनी (मंत्री) 9001255955

मनीष जी गंगवाल (कोषाध्यक्ष) 095880-20330

JK® MASALE SINCE 1957

शुद्ध खाओ स्वस्थ रहो...

Buy online at JK Cart.com

श्री महावीरजी में

वात्सल्यवारिधि 108 आचार्य वर्धमानसागर जी महाराज के सानिध्य में 24 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक होने वाला पंचकल्याणक महोत्सव व महामस्तकाभिषेक विश्व के लिए मंगलकारी हो। 108 आचार्य वर्धमानसागर जी महाराज व समस्त मुनि संघ के चरणों में हमारा शत शत नमन।

नमनकर्ता: धन्नालाल भागचन्द काला

Shudh khao Swasth Raho

सप्तम पुण्य तिथि पर हार्दिक श्रद्धांजलि

स्वर्गवासः 31 अगस्त 2015

स्मृतिशेष बिमला देवी काला

(धर्मपत्नीः स्व. धन्नालाल जी काला)
बधाल निवासी कोलकाता प्रवासी

आपके द्वारा प्रदत्त वात्सल्य, स्नेह, कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ अनुशासन सम्प्रेरित संस्कार से आलोकित कृतज्ञ परिजन आपको अश्रुपूरित नयनों से श्रद्धांजलि समर्पित करते हैं।

-: श्रद्धावनत् :-

धन्नालाल भागचन्द काला एवं समस्त काला परिवार

JK® MASALE GROUP

हार्दिक शुभकामनाओं सहित...
SANTOSH JAIN & ASSOCIATES
SWATI VINIMAY & CONSULTANCY PVT. LTD.
ANAMICA TRADERS PVT. LTD.
L. N. FINANCE PVT. LTD.
OFFICE :
CITY TRADE CENTER,
PNB Building, 4th Floor, A. T. Road, Guwahati-781 001
M.: 94350-48488 (O) / 97060-48488 (R) / 99574-97927

सी. ए. (डॉ.) संतोष काला
श्रीमती सरिता काला
संदीप-स्वाति पाटनी
श्रेयांस काला
RESIDENCE : 401/501, Abhinandan Appartment, 4th Floor, H. S. Road, Chhatribari, Guwahati-781 008
E-mail: casantoshkala@gmail.com

SHREE COMPLEX & SHREEMAN COMPLEX, P. O. BIJOYNAGAR-781122, DIST-KAMRUP (ASSAM)

पर्यूषण पर्व : कषायों और विकारों को समाप्त करने वाला पर्व है

गणिनी आर्यिका
विमला प्रभा माताजी

भारत देश धर्म का बगीचा है- बगीचे में गुलाब, जूही, चमेली आदि अनेक प्रकार के पुष्प होते हैं। उसी प्रकार भारतभूमि में सांख्य, वैशेणिक, नैयायिक जैन, बौद्ध आदि अनेक धर्मरूपी पौधे अंकुरित हुए। बगीचे के सभी फूल सुगन्धित सुन्दर और समान गुण धर्म वाले नहीं होते हैं। कुछ पुष्प ऐसे होते हैं जो सुन्दर तो दिखते हैं पर उनमें सुगन्ध नहीं होती है तथा कुछ सुन्दर भी होते हैं और सुगन्धित भी, वे अपनी सुगन्ध से पूरे वायुमण्डल को व्याप्त कर लेते हैं। जो जीवों के लिए मनोहारी और गुणकारी होते हैं। इस दृष्टान्त के माध्यम से यहां यह समझना चाहिए कि धर्म वाटिका में उत्पन्न जिनधर्म उस पुष्प के समान है जो सुन्दर भी है और सुगन्धित भी तथा सबके लिये गुणकारी है। जिस प्रकार तारागण व नक्षत्रों के बीच सूर्य और चन्द्रमा अपना विशिष्ट रूझान रखते हैं। उसी प्रकार सभी धर्मों की बीच जैन धर्म का विशिष्ट सर्वोत्तम है।

धर्म एवं पर्व:- भारत देश धर्मों का बगीचा है। यह भारत भूमि विविध धर्मों की जननी है। यह देश धार्मिक अनुष्ठानों के लिए प्रसिद्ध है। उन सभी धर्मों का अपना अपना पर्व काल निश्चित है उन तिथियों में विशेष रूप से अपने अपने घरों को खूब सजाते हैं, शोभा के लिए लाइट लगाते हैं, नये-नये कपड़े पहनते हैं, पुआ पकवान बनाते हैं, फुलझड़ी पटाखे छोड़ते हैं इत्यादि इन्द्रिय पोषण की क्रियाओं के द्वारा ही उनमें अनेक धर्मावलम्बी अपने पर्व का समापन कर देते हैं। किसी किसी पर्व में तो निरीह पशुओं की बलियां चढ़ाकर देवी-देवता की पूजा का दम्भ भरा जाता है। पर जो दया करूणा और मानवता का विधायक है, कषायों और विकारों को जागृत करने वाला है वह पर्व कभी हमारे लिए उपादेय नहीं बन सकता है। हमें इस बात का विशेष गौरव है कि हमारे दिगम्बर जैन धर्म के जितने भी पर्व हैं, वे सभी जीवन को त्याग, वैराग्य और संयम की ओर मोड़ने वाले हैं। अहिंसा, दया और आत्मगुणों के पोषक हैं। अष्टान्हिका पर्व, षोडशकारण पर्व, दशलक्षण पर्व, दीपावली, दशहरा आदि सभी पर्व प्रहरी की भांति हमारा आह्वान करते हैं कि जागो जागो गहरी मोह निद्रा को छोड़ो। वे पर्व आत्म निरीक्षण, आत्म परीक्षण और आत्म विकास के लिये हमें सावधान करते हैं।

हे भव्य जीवो- जो प्राणियों को संसार के दुख से उठाकर उत्तम सुख (वीतराग सुख) में धारण करे उसे धर्म कहते हैं। धर्म तो एक ही है, उसे समझने के लिये धर्म को दस भागों में बांटा गया है जिन्हें दशलक्षण कहते हैं। इन दस धर्मों में एक का पालन कर लेने से सभी दस धर्मों का पालन स्वतः हो जाता है। आत्मा के दुखदायी कर्मफल को दूर करने हेतु दस उपाय बतलाये गये हैं। जिन्हें शास्त्रीय भाषा में दशलक्षण धर्म कहते हैं। इसे पर्युषण पर्व भी कहते हैं।

जिस प्रकार वृक्षों में कल्पवृक्ष, धातुओं में स्वर्ण, मणियों में चिंतामणि, मनुष्यों में चक्रवर्ती, गायों में कामधेनु, देवों में इन्द्र महान और उत्तम है उसी प्रकार पर्वों में उत्तम यह दशलक्षण है जो इस वर्ष आ रहा है।

- ☞ उत्तम क्षमा धर्म-बुधवार दिनांक 31.08.22 भादवा शुक्ल 4
- ☞ उत्तम मार्दव धर्म - गुरूवार दिनांक 1.9.22 भादवा शुक्ल 5
- ☞ उत्तम आर्जव धर्म - शुक्रवार दिनांक 2.9.22 भादवा शुक्ल 6
- ☞ उत्तम शौच धर्म - शनिवार दिनांक 3.9.22 भादवा शुक्ल 7
- ☞ उत्तम सत्य धर्म - रविवार दिनांक 4.9.22 भादवा शुक्ल 8/9
- ☞ उत्तम संयम धर्म - सोमवार दिनांक 5.9.22 भादवा शुक्ल 10
- ☞ उत्तम तप धर्म - मंगलवार दिनांक 6.9.22 भादवा शुक्ल 11
- ☞ उत्तम त्याग धर्म - बुधवार दिनांक 7.9.22 भादवा शुक्ल 12
- ☞ उत्तम अकिंचन्य धर्म- गुरूवार दिनांक 8.9.22 भादवा शुक्ल 13
- ☞ उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म- शुक्रवार दिनांक 9.9.22 भादवा शुक्ल 14

शेष पृष्ठ 13 पर......

दशलक्षण पर आत्मोन्नति का मंगल संदेश

नहीं उपवास कर पाओ
तो तुम उपहास से बचना।
अगर दर्शन न हो संभव,
प्रदर्शन से ही तुम बचना।
कभी वंदन में रह जाये,
तो बंधन से ही बच जाना।
प्रवचन सुन न पाओ तो,
दुर्वचन से ही बच जाना।
केशलोंचन न हो संभव,
क्लेश-लोचन ही कर लेना।
न भोजन छोड़ पाओ तो चलेगा,
मगर भजन कभी छोड़ मत देना।
न कर पाओ प्रतिक्रमण,
अतिक्रमण से बच जाना।

क्षमा गर मांग न पाओ,
क्षमा करके ही तिर जाना।
न मीठे बोल कह पाओ तो,
केवल मौन रह जाना।
कहे कोई अगर कड़वा वचन,
उसे हंस कर ही सह जाना।
निभा पाओ न रिश्तों को,
तो उनको तोड़ मत देना।
कहते हैं किसी का हाथ तुम थाम के,
राह की मझधार में छोड़ मत देना।
और कुछ काम नहीं हो करने को तो
प्रभु का नाम जपकर
अपना जीवन सफल कर लेना।

Vayudoot Group
लाः नेमचन्द जुगल किशोर जैन तीर्थ यात्रा संघ
Vayudoot WORLD TRAVELS INDIA PVT. LTD
Vayudoot DESTINATION WEDDINGS & EVENTS
Vayudoot GROCERIES
Vayudoot CATERERS
वायुदूत की सुप्रसिद्ध शुद्ध स्वादिष्ट किचन वाली जैन भोजन सुविधा

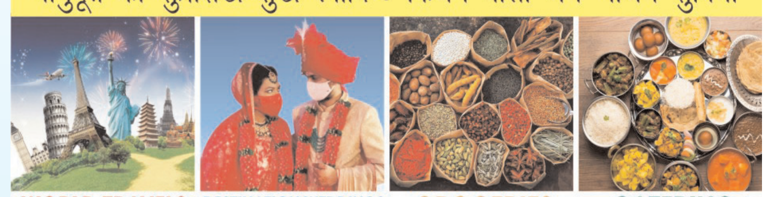

WORLD TRAVELS DESTINATION WEDDINGS GROCERIES CATERING
+91 9313338256, 9810408256, 9818312056

निर्मल - पुष्पा बिन्दायका
बगरू निवासी कोलकाता प्रवासी
EVER GREEN be positive get positive
Evergreen Hosiery Industries
Corp. Office : 39, Tara Chand Dutta Street, 2nd Floor
Opp. : Moonlight Cinema, Kolkata - 700 073 (W.B.)
Phone : 033 4001 0686, 91633 91228, 80131 20773
Email : evergreenhosieryindustries@yahoo.com
Website : www.evergreenhosieryindustries.com
Hello Bebe LITTLE POPS KIDS WEAR
Young India Fashions
Address : 123, Lake Town, Block-B (Near Sagar-Sangam) Kolkata - 700 089
Mobile : 98300 05085, 98302 75490
MAHAVEER SAREE
Address : 446, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 75750 41434
EVERGREEN CREATION
Address : 507-508, Abhishek Market, Ring Road, Surat, 395002 (Gujrat)
Mobile : 98280 18707, 97279 82406

समस्या समाधान - रवि जैन गुरूजी

प्रश्न 1. गुरूजी जय जिनेन्द्र, मुझे किस वस्तु का व्यापार करना चाहिये, अभी तक किसी भी कार्य में सफलता नहीं मिली - अचल जैन, रोहणी, दिल्ली

उत्तर - अचल जी, आपकी कुंडली के अनुसार आपको पीली वस्तुओं का व्यापार करना चाहिये जैसे सोना, चना, दाल, हल्दी, कांसा आदि का व्यापार शुभ रहेगा।

प्रश्न 2. मेरे दादाजी का स्वास्थ्य काफी समय से ठीक नहीं है। कोई दवाई काम नहीं कर रही है, उनकी उम्र 92 वर्ष है - केतन शाह, पुणे

उत्तर - केतन जी, आपकी दादाजी का समाधिमरण हो ऐसी भावना के साथ श्री भक्तामर स्तोत्र मरण सुबह शाम सुनायें साथ ही णमोकार महामंत्र लगातार सुनायें।

प्रश्न 3. मेरी बिटिया 14 वर्ष की है मगर उसका मन पढ़ाई से बिल्कुल हट गया है। उसका मन पढ़ाई में लगे इसके लिये क्या करें - सोनल, दिल्ली

उत्तर - श्री भक्तामर स्तोत्र का 6वां काव्य रोजना 6 बार पढ़े साथ ही शुक्रवार को मिश्री दान करें।

प्रशन 4. गुरूजी जीवन में खुशी नहीं है। परिवार के साथ रहकर भी अकेला महसूस करता हूं - विवेक, मेरठ

उत्तर - आपकी कुंडली में चन्द्रमा शनि के साथ बैठा है। विष दोष के कारण होता है। चन्द्रमा जब शनि के साथ बैठा हो तो विष दोष बनता है तथा जीवन में हंसी-खुशी समाप्त हो जाती है। चांदी के गिलास में पानी पियें, लाभ होगा।

प्रश्न 5. गुरूजी जय जिनेन्द्र, मेरी बेटी का मन सी. ए. बनने का है, वह काफी तैयारी भी कर रही है, मगर पता नहीं क्या कारण है वह सफल नहीं हो पा रही है क्या वह सीए बनेगी - अनुज जैन, लखनऊ

उत्तर - अनुज जी बिटिया को पन्ना रत्न बुधवार को धारण करायें, अनुकूल परिणाम सामने आयेंगे।

प्रश्न 6. नौकरी में मन नहीं लगता इससे पूर्व व्यापार करनी पड़ रही है - रवि जैन, कांगला

उत्तर - आपकी कुंडली में सूर्य और चन्द्रमा साथ बैठकर अमावस्या दोष बना रहे हैं अतः आप शाम को श्री चन्द्रप्रभु चालीसा पढ़ें व मूल स्टोन का लॉकेट सोमवार को गले में धारण करें।

प्रश्न 7. गुरूजी, आपसे संपर्क में आने के बाद मेरी समस्या समाप्त हो गयी। अब बस क्रोध और आता है मैं क्या करूं - शिवा जैन, यमुना विहार, दिल्ली

उत्तर - शिवा जी, मंगलवार को लाल दाल का दान करें तो क्रोध पर भी अंकुश लग जायेगा।

प्रश्न 8. मैं बचपन से घूमने-फिरने का शौकीन रहा हूं। मेरी यह आदत किस ग्रह के कारण है और क्या यह आदत बदलेगी - रमेश, अम्बाला

उत्तर - रमेश जी, आपकी कुंडली चन्द्र लगन की है और लगन में ही चन्द्रमा बैठा हुआ है अतः आप हमेशा घूमने-फिरने में यकीन रखेंगे।

आप अपनी समस्या इस पते पर भेजें: रवि जैन गुरूजी, विख्यात् जैन ज्योतिषाचार्य, हस्तरेखा एवं कुंडली मिलान विशेषज्ञ, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद (पंजी.) 1/6991, शिवाजी पार्क, शाहदरा, दिल्ली-32 फोन 011-22325069, 9990402062 (व्हाट्सअप)

जैन गजट की बेवसाईट/न्यूज पोर्टल का नाम परिवर्तित

नया नाम www. jaingazette.com

जैन गजट साप्ताहिक की बेवसाईट जो अभी तक www.jaingajat.com थी, उसका नाम अब www. jaingazette.com हो गया है। सभी पाठक कृपया इस साईट पर जाकर जैन गजट ई पेपर एवं न्यूज पोर्टल पर दिये गये समाचार पढ़ सकते हैं। यह साइट जैन गजट न्यूज पोर्टल के रूप में बनाई गई है। मोबाइल पर भी आप इसे खोल सकते हैं।

न्यूज पोर्टल में प्रसारित करने वास्ते लेख, फोटो, समाचार, वीडियो, विज्ञापन आप ईमेल jaingazette2@gmail.com पर भेजें।

विज्ञा वाणी

राग भी जहर है। जहर खाने पर व्यक्ति एक बार ही मरता है, परन्तु राग का जहर चढ़ जाए तो अनेक भवों तक मरता है।

वर्तमान में आर्यिकारत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ निवाई शहर (टोंक) में पावन चातुर्मास - 2022, की धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रहीं हैं।

: नमनकर्ता :
सुमेरचंद-ऊषा
(रांवका)
बनीपार्क, जयपुर
(राज.)

जैन गजट में विज्ञापन देकर लाभ उठायें

क्षमावाणी पर्व दिनांक 5 एवं 12 सितम्बर, 2022 का प्रकाशित होगा

पूरे देश भर में प्रचार-प्रसार, सभी प्रमुख तीर्थक्षेत्रों- विद्वानों-प्रतिष्ठाचार्यों एवं चातुर्मास में प्रति वर्ष समस्त मुनि संघों में निःशुल्क प्रेषण। प्रमुख श्रेष्ठियों, जैन उद्योगपतियों, जैन संस्थाओं व पत्र पत्रिकाओं के यहाँ तक पहुंच। वैवाहिक, पंचकल्याणक, विधान, जैन कालोनी में प्रापर्टी प्लाट/ मकान/ फ्लैट आवंटन, पूजा सामग्री, धोती दुपट्टे, जैन विद्वान, पुजारी आवश्यकता, जन्म दिन- नववर्ष-वैवाहिक बधाई, शुभकामना सन्देश, गोष्ठी व सम्मेलन, जैन ज्योतिष, वास्तु शास्त्र का प्रचार, धार्मिक सामाजिक आयोजन, शुद्ध जैन खाद्य सामग्री यथा पापड़, अचार, नमकीन, मुरब्बा आदि, जैन तीर्थयात्रा, जैन होटल, जैन तीर्थक्षेत्र सिद्धक्षेत्रों के पर्यटन को बढ़ावा सम्बन्धी विज्ञापन, समाज की धार्मिक शैक्षणिक संस्थाओं के विज्ञापन, जैन पत्र पत्रिका संबंधी विज्ञापन, व्यवसायिक प्रतिष्ठान उद्घाटन, गृह प्रवेश, भगवान महावीर जयंती- पर्यूषण पर्व- दीपावली एवं नववर्ष की शुभकामनायें एवं बधाईयों के विज्ञापन कम खर्च में छपवाकर जैन समाज के लाखों लोगों तक अपनी बात पहुंचाईये। विज्ञापन आप ईमेल jaingazette2@gmail.com पर भेजें।

क्षमावाणी पर्व विशेषांक की विज्ञापन दरें

पूरा एक पृष्ठः 20,000/-
पूरे दो पृष्ठ एक साथ 38,000/-
आधा पृष्ठ 10,000/-
चौथाई पृष्ठ- 6000/-
शुभकामना संदेश 4000/-, 3000/-, 2000/-
में भी उपलब्ध हैं।
यह सभी विज्ञापन रंगीन ही छपेंगे।

जैन गजट की सदस्यता, विज्ञापन या सहयोग राशि 'जैन गजट के पक्ष में' पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर ब्रान्च, लखनऊ- 226004 (उ. प्र.) सेविंग अकाउण्ट 2405000100102500 IFSC - PUNB 0185600 नकद/अकाउण्ट में जमा (डिपोजिट स्लिप सहित) मनीऑर्डर/चेक/ड्राफ्ट/ऑनलाईन (स्क्रीन शॉट सहित) सदस्यता/विज्ञापन हेतु भेजें- श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ-226004 (उ. प्र.) मो. 7607921391, 9415108233, 7880976415, 7505102419

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
जैन गजट सम्पादक मंडल

अध्यक्ष
गजराज जैन गंगवाल
मो. 09810900009

कार्याध्यक्ष
रमेश जैन तिजारिया
मोबा. 08290950000

महामंत्री
प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
Mob- 09840213132
Email- chennai@shriniwasa.com

कोषाध्यक्ष
पवन गोधा
मो. 9311198985

सम्पादक
कपूरचन्द जैन (पाटनी)
मो. 09864118950, 0 9854050969
Email- k.c.jain39@gmail.com

परामर्शक सदस्य
शिवचरणलाल जैन, मैनपुरी
मो. 09219160350
सुरेश जैन 'सरल', जबलपुर
मो. 09425412374
बसन्त कुमार शास्त्री, शिवाड़
मो. 08107581334

सह सम्पादक (मानद)
डॉ. श्री महावीर शास्त्री, सोलापुर
मो. 09422457582
राजेन्द्र जैन 'महावीर' सनावद
मो. 9407492577
सुनील 'संचय' ललितपुर
मो. 9793821108

प्रकाशक एवं प्रबंध सम्पादक
सुधेश कुमार जैन, लखनऊ
मो. 09415108233
नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड,
ऐशबाग, लखनऊ- 226004 (उ0प्र0)
jaingazette2@gmail.com
dmahasabha@yahoo.com

लखनऊ प्रधान कार्यालय प्रबंधक एवं जैन गजट शिकायत
सुभाष गुप्ता
मोबा. 09415008344

दिल्ली मुख्य कार्यालय प्रबंधक
स्वराज जैन
मोबा. 09899614433
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा,
5, राजा बाजार, खण्डेलवाल जैन मंदिर कॉम्प्लेक्स, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली -1
011-23344668, 23344669,
digjainmahasabha@gmail.com
www.digjainmahasabha.org

जैन गजट की सदस्यता

वार्षिक (एक वर्ष) रू. 300
आजीवन (दस वर्ष) रू. 2100
निर्धारित रियायती साधारण डाक से
कोरियर से मंगाने पर
अतिरिक्त शुल्क- दिल्ली, उ.प्र.
रू. 1000 अन्य प्रदेश रू. 1500

'जैन गजट' में विज्ञापन

देने हेतु सम्पर्क- 7607921391, 7880978415, 9415108233
जैन गजट में प्रकाशनार्थ लेख, फोटो, समाचार, विज्ञापन आप ईमेल jaingazette2@gmail.com पर भेजें

अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् का द्वितीय स्थापना दिवस मनाया गया

जयपुर, 19 अगस्त, 2022। प्रातः 8 बजे से भट्टारक जी की नसियां, जयपुर में विराजित आचार्यश्री 108 सुनील सागर जी महाराज (ससंघ) के पावन सान्निध्य में अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् (पंजी.) का द्वितीय स्थापना दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में देश के कोने-कोने से प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य व वास्तुविद् सम्मिलित हुए। जैन ज्योतिष की उपयोगिता के विषय पर विद्वानों ने अपनी राय रखी तथा ज्योतिष को लेकर उपस्थित जनसमूह की जिज्ञासाओं का समाधान किया। परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि जैन गुरूजी, दिल्ली ने कहा कि मात्र दो वर्ष की अल्पावधि में अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् एक वृक्ष के समान बन चुका है। आचार्यश्री सुनील सागर जी ने अपने उद्बोधन में परिषद् को कहा कि ज्योतिषीय समस्याओं का निदान जैन आगम के अनुसार बताना चाहिए। जैन साहित्य में ज्योतिष विषयक अपार साहित्य भंडार है। अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् के द्वितीय स्थापना दिवस के कार्यक्रम में दिल्ली से अध्यक्ष रवि जैन गुरूजी, डॉ. टीकमचंद जैन, डी. के. जैन, दीपक शास्त्री, सुमेर चन्द जैन प्राकृताचार्य, अरविन्द जैन शास्त्री, अरूण जैन, अमन जैन, अमित जैन, सुशील जैन, ग्वालियर से डॉ. हुकुमचंद जैन, विकास जैन, सुनील जैन भंडारी, भोपाल से उल्लास जैन, नीमच से जितेन्द्र जैन सकलेचा, बड़ौत से धीरज जैन, अरविंद जैन, अजमेर से राहुल जैन, मालगुआ से पं. चकेश जैन, बेलगांव से शांतिनाथ उपाध्ये, सलूम्बर से सुरेन्द्र जैन, जींद से मुकेश जैन, अहमदाबाद से डॉ. त्रिशला सेठ, उज्जैन से श्रीमती मंजुला जैन, सागर से संजय जैन पावला, चंद्रेश जैन, दमोह से डॉ. अभिषेक जैन, टेहरका से सचिन जैन, जयपुर से उषा जैन, राजेश जी, सुनीता जैन, जयकुमार जैन आदि ज्योतिषाचार्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

भगवान को जानने का प्रयास सर्वश्रेष्ठ है : आचार्य अतिवीर मुनिराज

समीर जैन

आचार्यश्री 108 अतिवीर जी मुनिराज का 17वां मंगल चातुर्मास 2022 हरियाणा की धर्मनगरी रेवाड़ी स्थित श्री शान्तिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र नसिया जी में धर्म प्रभावना पूर्वक चल रहा है। सारगर्भित मंगल प्रवचन श्रृंखला में भक्तों को सम्बोधित करते हुए पूज्य आचार्य श्री ने कहा कि जीवन केवल लालच के आधार पर टिका हुआ है। जहां कुछ लालच है वहीं हमारा रूझान है। हमारे पास जो है उससे हम संतुष्ट नहीं हैं परन्तु हमें और कुछ भी चाहिए, यही लालच आज मानव जीवन को बर्बाद करने में लगा है। वर्तमान और भविष्य के फसले को मिलाने की पुरजोर ताकत हम लगा देते हैं। लौकिक जीवन में तो लालच की पराकाष्ठा देखने को मिलती ही है परन्तु वर्तमान में भगवान को पाने के लिए भी प्रलोभन और लालच की बुनियाद खड़ी करनी पड़ती है।

निर्वाण कल्याणक

अरूण कुमार जैन, संवाददाता

देहरादून। श्री पार्श्वनाथ पदमावती तीर्थ धाम कलेमन्टाऊन देहरादून में 1008 भगवान पार्श्वनाथ का निर्वाण कल्याणक धूमधाम से मनाया गया। परम पूज्य गिरनार पीठधीश कर्मयोगी क्षुल्लक रत्न जी 105 समर्पण सागर जी महाराज के निर्देशन में एवं पंडित अरविन्द जैन शास्त्री (हरिद्वार) वालों के सान्निध्य में मांगलिक कार्य संपन्न हुआ। प्रथम तेईस किलो का लड्डू चढ़ाने का सौभाग्य सुधीर कुमार जैन को प्राप्त हुआ।

क्षुल्लक रत्न श्री 105 समर्पण सागर जी महाराज द्वारा अपने संक्षिप्त सम्बोधन में कहा कि सद्गुरू ही मानव को भवसागर से पार करने में सक्षम हैं। कार्यक्रम में भाग लेने वालों में मन्दिर समिति के अध्यक्ष श्री अनिल जैन, मंत्री नवीन जैन, राजीव जैन, गौरव जैन, अमन जैन रहे। अन्त में जलपान की सुन्दर व्यवस्था श्री राजीव जैन कैराना वालों की ओर से की गई थी।

वरुणपथ में मोक्ष कल्याणक हर्षोल्लास से मनाया

फागी संवाददाता

जयपुर, 11 अगस्त, 2022। श्री दिगम्बर जैन मंदिर वरूण पथ मानसरोवर में चल रहे चातुर्मास के अंतर्गत विराजमान परम पूज्य आचार्य गुरूवर विवेक सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में श्री 1008 भगवान श्रेयांसनाथ जी का निर्वाण महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया, इस अवसर पर समाज के सभी बंधुओं ने भगवान श्रेयांसनाथ के मोक्ष कल्याण के पावन अवसर पर सामूहिक रूप से विभिन्न मंत्रोच्चारणों के बीच निर्वाण लाडू अर्पित किया। इस अवसर पर परम पूज्य आचार्य गुरूवर विवेक सागर जी महाराज ने उपस्थित बंधुओं को मंगल आशीर्वाद देते हुए कहा कि आज का दिन जैन दर्शन एवं जैन धर्म में बहुत ही महत्वकारी है। भगवान श्रेयांसनाथ के निर्वाण महोत्सव के साथ-साथ हस्तिनापुर में 700 मुनियों पर उपसर्ग हुआ था इसलिए बंधुओं वर्तमान में यह पर्व रक्षाबंधन के रूप में मनाया जाता है। आप सभी महानुभावों से यही निवेदन है कि अपने जीवन में मंगल करना चाहते हो तो जैन दर्शन के अनुसार जीवन यापन करना सीख लो जिससे पुण्य का बंध होगा और आपके जीवन में सरलता और सौम्यता आएगी जिससे वर्तमान समय में जीवन व्यतीत करने में जिन कठिनाइयों का सामना आपको करना पड़ रहा है। उनसे आपको मुक्ति मिलेगी।

ख्वाहिशे पूरी होने पर कैंसर पीड़ित बच्चों के चेहरों पर आई मुस्कान

जैन गजट संवाददाता

जयपुर। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन रीजन जयपुर के द्वारा फेडरेशन के आह्वान पर स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित मानव सेवार्थ पखवाड़ा के अन्तर्गत दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जयपुर मेन द्वारा अपने स्थापना के 28 वर्ष पूर्ण होने पर भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल में कैंसर पीड़ित 1 - 18 साल के करीब 30 बच्चों को मनचाहा उपहार देकर उनके चेहरों पर मुस्कुराहट लाई गयी।

चातुर्मास में धन का नहीं धर्म का संग्रह करो

राजेश जैन दद्दू **-मुनि आदित्य सागर जी**

इंदौर। वर्षाकाल में सूक्ष्म जीवों की उत्पत्ति अधिक होने से साधु अहिंसा धर्म का पालन, जीवों की रक्षा और श्रुत की आराधना के लिए 4 माह तक एक ही स्थान पर ठहरकर चातुर्मास करते हैं, क्योंकि वर्षाकाल में आवागमन से बहुत हिंसा होती है। यह उद्‌गार आज मुनिश्री आदित्य सागर जी महाराज ने समोसरण मंदिर कंचन बाग में अपने 11वें श्रुत आराधना वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह के अवसर पर भीड़ भरी धर्म सभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। आपके साथ मुनिश्री अप्रतिमसागर जी, मुनिश्री सहजसागर जी भी वर्षायोग कर रहे हैं।

जैन गजट के प्रधान सम्पादक श्री पं. भरतकुमार जी काला मुम्बई की दिनांक 4 अगस्त को क्षुल्लक दीक्षा सम्पन्न हुई थी और क्षुल्लक एकत्वसागर जी नामकरण हुआ था। दिनांक 8 अगस्त, 2022 को सिद्धक्षेत्र सम्मेदशिखर जी के मध्यलोक परिसर में मुनि श्री पुण्य सागर जी महाराज के कर कमलों से आपकी मुनि दीक्षा सम्पन्न हुई और आपका मुनि श्री 108 एकत्वसागर जी महाराज नामकरण किया गया।

जैन ज्योतिष आचार्यों का सम्मान

मनुष्य की आकांक्षाओं का समाधान ज्योतिष शास्त्र में उपलब्ध

-आचार्य विवेक सागर जी महाराज

जयपुर। श्री दिगम्बर जैन मंदिर वरूण पथ मानसरोवर में चल रहे चातुर्मास के अंतर्गत विराजमान परम पूज्य आचार्य गुरूवर विवेक सागर जी महाराज ने उपस्थित बंधुओं एवं देशभर से आये जैन ज्योतिष आचार्यों को मंगल आशीष प्रदान किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय जैन ज्योतिषाचार्य परिषद् (पंजी.) की समस्त कार्यकारिणी ने परम पूज्य गुरुदेव विवेक सागर जी महाराज के सान्निध्य में ज्योतिष सेमिनार आयोजित की गई, इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि जैन गुरुजी-दिल्ली, संरक्षक प्रोफेसर डॉक्टर टीकम चंद जैन-पचेवर, कोषाध्यक्ष सुमेर चंद जैन, सलाहकार देवेंद्र कुमार जैन-दिल्ली, जगदीश प्रसाद जैन प्रधान, पं. प्रवीण जैन, ऋषभ जैन, सलाहकार राकेश जैन, पंडित चकेश जैन, पंडित दीपक जैन शास्त्री, पंडित धीरज जैन, पंडित संजय जैन पावला, रविंद्र जैन-दिल्ली, पंडित महावीर कुमार छाबड़ा-रानीपुरा, पंडित कैलाश चंद्र छाबड़ा, दुर्गापुरा ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष रवि जैन गुरूजी ने कहा कि परिषद् का उद्देश्य जनमानस को जैन धर्म से जोड़ना है।

गुरूकुल स्कूल में आजादी का 75 अमृत महोत्सव

मिक्की बड़जात्या

दिगम्बर जैन समाज जॉबनेर द्वारा संचालित श्री शान्तिवीर जैन गुरूवर इंग्लिश मीडियम स्कूल में स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जसवेंद्र जी मुकेश जी नितिन जी ठोलियां जसपुर प्रवासी जॉबनेर निवासी थे। स्कूल के नन्हे-मुन्हे बच्चों द्वारा विशेष और मनमोहक प्रस्तुतियां दी गई। ध्वजारोहण मुख्य अतिथि मुकेश जी नितिन जी ठोलिया, संस्था अध्यक्ष मदन जी बड़जात्या, मंत्री डॉ. महेंद्र जैन, व्यापार मंडल अध्यक्ष एवं समिति सहमंत्री अमित छाबड़ा, समिति के संयोजक मिक्की बड़जात्या, व्यवसायी एवं व्यापार मंडल महामंत्री नौरत्न ओसवाल द्वारा किया गया।

5 सितम्बर को सुगंध दशमी विधान

लखनऊ। पारसनाथ धाम अमेठिया काकोरी में विराजमान आचार्यश्री 108 यतींद्र सागर जी महाराज द्वारा पर्यूषण महापर्व में सुगंध दशमी के दिन 5 सितम्बर, 2022 को प्रातः सुबह 8.30 बजे संपूर्ण उत्तर प्रदेश में पहली बार सुगंध दशमी विधान और सामूहिक धूप खेवन का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम स्थल - भगवान पारसनाथ धाम, अमेठिया सलेमपुर काकोरी, लखनऊ। संपर्क सूत्र - 9415061356, 9415010824, 9451914400

सेवा धर्म समाज की आगम के अनुकूल। यह पुनीत उद्देश्य है जैन गजट का मूल।।

धर्म-समाज की अच्छाइयों को फैलाना पत्रकारिता का उद्देश्य

जैन पत्रकार महासंघ रजि. का तृतीय राष्ट्रीय अधिवेशन एवं पुरस्कार समर्पण समारोह श्री महावीर तपोभूमि उज्जैन म.प्र. में 20-21 अगस्त 2022 को व्याख्यान वाचस्पति आचार्य श्री प्रज्ञासागर जी महाराज ससंघ के पावन सान्निध्य में सम्पन्न हुआ जिसमें देश भर के आठ राज्यों के लगभग 80 से अधिक पत्रकार-सम्पादक व श्रेष्ठीजन सम्मिलित हुए।

दो दिन के इस अधिवेशन में जैन संग्रहालय, जयसिंहपुरा उज्जैन का अवलोकन पत्रकारों ने कर पाया कि यह जैन धर्म के पुरातत्व को संग्रहित करने का विश्व स्तरीय संस्थान है जिसे मालवा प्रांतिक सभा बड़नगर द्वारा संचालित किया जा रहा है। यहां का अवलोकन पत्रकारों/सम्पादकों के लिए अदभुत था क्योंकि इस धरोहर को सभी ने पहली बार देखा था।

अगले क्रम में सभी सिद्धक्षेत्र सिद्धवरकूट के लिये निकले जहां भारी वर्षा के चलते जाम की स्थिति बनी, लेकिन सबको अत्यंत आनंद इसलिए आया कि संयोजकों ने आगमिक जिज्ञासा को शांत कराने के लिए माइक्रोसाफ्ट वर्ड अमेरिका में करोड़ों का पैकेज छोड़कर केवल जैन धर्म की सेवा करने का संकल्प लेकर अभूतपूर्व सेवा कर रहे पं. श्री प्रकाश जी छाबड़ा इन्दौर को साथ में रखा था उनसे जो प्रश्न पूछे गए उन सभी का प्रकाश जी ने जो आगमिक समाधान दिया उससे सभी लाभान्वित तो हुए ही चार-पांच घण्टे का जाम कब समाप्त हो गया व आनंद हो गया पता ही नहीं चला। सिद्धवरकूट के दर्शन भी अनेकों जनों ने पहली बार किये। यहां का विकास व पुरातत्व को बचाकर रखने की सोच जिसे स्व. श्री प्रदीप जी कासलीवाल इन्दौर ने रखी थी उसे देखकर सबने स्व. प्रदीप जी को साधुवाद दिया। सभी कमेटी का सम्मान पाकर प्रसन्न हुए।

द्वितीय दिवस श्री महावीर तपो भूमि पर सभी ने आचार्य श्री प्रज्ञासागर जी के सान्निध्य में अभिषेक, पूजन, शांतिधारा की व आनंद महसूस किया। प्रथम सत्र में पत्रकारिता के आधुनिकतम स्वरूप पर चर्चा हुई जिसे हम बहुत ही सार्थक कह सकते हैं, जिसमें डिजीटल संसाधनों के उपयोग, दुरूपयोग, विश्वसनीयता पर चर्चा हुई जिसमें से मंथन निकल कर आया कि व्यवसायिक पत्रकारिता समाज में सनसनी फैलाती है वहीं धार्मिक, सामाजिक पत्रकारिता समाज, धर्म की अच्छाईयों को जन-जन तक पहुंचाकर अपने सामाजिक सरोकार का निर्वहन करती है। समाज धर्म की विकृति हटाना भी हमारा कर्तव्य है लेकिन उसे चटखारे लेकर जन चर्चा का विषय बनाना हमारा कार्य नहीं है। हमारी कलम, हमारी वाणी सामाजिक कल्याण में काम आ रही है या सामाजिक विघटन में इस पर पत्रकार का ध्यान होना जरूरी हो। श्री पंकज मुकाती ने अपना शानदार व्याख्यान दिया जिसने सबको सोचने पर मजबूर किया। उन्होंने बताया कि जैन धर्म की 740 पत्र-पत्रिकाएं प्रकाशित होते हैं, यहां सबने जाना कि सबसे बड़े पत्रकार तो राजा श्रेणिक थे जिन्होंने भगवान महावीर से साठ हजार प्रश्न पूछे थे। सार्थक सत्र में डॉ. अनुपम जैन इन्दौर ने शून्य के विचार को आगे बढ़ाया। हमारा सौभाग्य है कि वे शून्य की खोज पर गठित अन्तर्राष्ट्रीय दल में जैन धर्म का प्रतिनिधित्व करेंगे। पुरस्कार समर्पण सत्र में जब पुरस्कारों की घोषणा हुई तो पता चला कि 127 वर्षो के इतिहास में पहली बार जैन धर्म के प्राचीन समाचार पत्र जैन गजट को पहली बार सम्मानित किया गया। जैन गजट की ओर से विगत 40 वर्षो से प्रबंध सम्पादक का दायित्व निभा रहे श्री सुधेश कुमार जैन लखनऊ ने यह पुरस्कार प्राप्त किया तो सदन तालियों से गुंजायमान हो गया। उल्लेखनीय है कि जैन गजट धर्म-समाज की अच्छाईयों को फैलाने के लिए कृत संकल्पित है। श्री सुधेश जैन इतने व्यस्त रहते हैं कि उन्हें जानते तो सब थे लेकिन लगभग पहली बार रूबरू उनसे हुए। जैनाचार की सम्पादिका श्रीमती ममता, अनील गांधी मुम्बई को भी सम्मानित किया गया। वे प्रतिदिन जैनाचार नाम से एक पेज का ई पेपर निकालती हैं जो उल्लेखनीय कार्य है। डॉ. सूरजमल जी बोबरा इन्दौर जो 90 वर्ष के हैं लेकिन जैन इतिहास पर उनका शोध आज भी जारी है। इस उम्र में समाज, धर्म के प्रति स्वयं के व्यय से पुस्तकें छपवाकर दे रहे हैं व अभी भी निरन्तर शोध कार्य में संलग्न रहते हैं- क्या भारत ऐसा भी था ! पुस्तक लिखकर उन्होंने अपने 22-23 लाख वर्ष पूर्व के भारत की परिकल्पना प्रस्तुत की है। उन्हें भी जैन पत्रकारिता सम्मान से सम्मानित किया गया।

पुरस्कारों का प्रायोजन क्रमशः स्व. श्री राजेन्द्र जी गोधा जयपुर, स्व. श्री सोहनलाल जी गांधी इन्दौर स्व. श्री पूरनचंद जी जैन सनावद की स्मृति में उनके परिजनों ने किया जिसमें ग्यारह हजार रूपये का चेक शॉल श्रीफल, पगड़ी, स्मृति चिन्ह प्रदान किये गये।

आचार्य प्रज्ञासागर जी महाराज ने अपना महत्वपूर्ण मार्गदर्शन देते हुए कहा कि पत्रकार के हाथ की कलम बड़ी कीमती है। पत्रकारिता स्वयं एक बड़ा धर्म है। यह अधिवेशन आचरण का अधिवेशन है। उन्होंने महावीर तपोभूमि की ओर से राजा श्रेणिक के नाम से एक पत्रकारिता पुरस्कार प्रारंभ करने की घोषणा की जिसमें 24 हजार रूपये प्रतिवर्ष प्रदान किये जाएंगे। प्रथम पुरस्कार प्रेस काउंसिल ऑफइण्डिया में भारत सरकार द्वारा मनोनीत जैन गौरव श्री प्रदीप जैन सम्पादक दैनिक विश्व परिवार को प्रदान किया जाएगा।

कोषाध्यक्ष श्री दिलीप जैन, श्री महेन्द्र बैराठी, श्री संजय बड़जात्या, श्री अकलेश जैन अजमेर, श्री मनीष विद्यार्थी शाहगढ़, डॉ. प्रगति जैन इन्दौर, कार्यक्रम में पारस चैनल के श्री प्रकाश मोदी भाटापारा, ब्र. सविता जी शीतल तीर्थ ने पधारकर शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश जैन तिजारिया जयपुर, महामंत्री श्री उदयभान जैन जयपुर, अधिवेशन के प्रमुख सूत्रधार व मुख्य संयोजक श्री हंसमुख गांधी इन्दौर, संयोजक राजेन्द्र जैन 'महावीर' सह सम्पादक, जैन गजट, डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर ने अपने दायित्वों का निर्वहन बाखूबी से किया। कार्यक्रम समन्वयक उज्जैन की युवा टीम रही जिसने सभी व्यवस्थाओं को तपोभूमि टीम के श्री अशोक जैन, श्री सुनील जैन, श्री धर्मेन्द्र सेठी आदि के साथ मिलकर अंजाम तक पहुंचाया जिससे यह अधिवेशन चिंतन मंथन के साथ जैन पत्रकारों के लिए मार्गदर्शी साबित हुआ।

पत्रकार-सम्पादक तपोभूमि से ज्ञान-आचरण-जानकारियों के साथ अपने कार्य दायित्व निर्वहन का खजाना लेकर जब निकले तो उनकी स्मृतियों के झरोखे में जैन धर्म की, जैन समाज की इतनी खूबियां थीं कि वे समाज को अपनी कलम से बतायेंगे कि हमने ऐसा संग्रहालय देखा जहां हजारों वर्ष प्राचीन प्रतिमाएं हमारी गौरव गाथा बता रही हों। हमने सिद्धवरकूट देखा जो बताता है कि पुरातत्व को कैसे सहेजा जा सकता है। हमने एक ऐसा युवा देखा जिससे अनेकों प्रश्न किये जो 31 वर्ष की आयु में सब कुछ छोड़कर भारत आ गया। हमने नवोदित तीर्थ महावीर तपोभूमि देखी जहां लगता है कि यदि यह तपोभूमि न बनती तो अभय घोष - सुकुमाल मुनि के गौरव को हम भूल जाते। सबने सब कुछ अच्छा ही देखा क्योंकि आयोजक/प्रायोजक व देखने वालों की दृष्टि में सब कुछ अच्छा करने का विचार था जो फलीभूत हुआ। अन्त में गुरूमंत्र के रूप में एक कहानी जिसे शिवखेड़ा ने लिखा है 'तीन आदमी ईंट की चुनाई कर रहे थे एक राहगीर ने पूछा कि वे क्या कर रहे हैं- पहले आदमी ने कहा- क्या तुम देखते नहीं कि मै रोजी कमा रहा हूँ, दूसरे ने कहा- क्या तुम देखते नहीं कि मै ईंटों की चुनाई कर रहा हूँ, तीसरे ने कहा कि मै मेरे भगवान का एक भव्य मंदिर बना रहा हूँ। तीनों व्यक्ति एक ही काम कर रहे थे, लेकिन उनके जबाब अलग-अलग थे। हम भी इस तरह इस अधिवेशन से अच्छाईयों का सबक लेकर अपने आपको अच्छा बनाने का प्रयास करेंगे तो हमें अल्प जीवन में भी आनंद आ सकता है।

क्षमा भाव सहित राजेन्द्र जैन 'महावीर', सह सम्पादक

स्वागत है श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा चेरिटेबल ट्रस्ट के सम्मानित ट्रस्टीज (रू. 1,11,111/-) का

श्री अरविन्द जैन लुहाड़िया
दिल्ली
कार्याध्यक्ष-श्रुत संवर्धिनी

श्री हंसमुख जैन गाँधी
इंदौर
केन्द्रीय उपाध्यक्ष-महासभा

स्वागत है, अभिनन्दन है समाज के कर्मनिष्ठ कर्णधारों का!

हुलाशचंद जैन सेठी
चेयरमैन ट्रस्ट बोर्ड

गजराज जैन गंगवाल
एग्जीक्यूटिव ट्रस्टी

प्रकाशचंद्र जैन बड़जात्या
एग्जीक्यूटिव ट्रस्टी

स्वागत है श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के नये आजीवन सदस्यों का

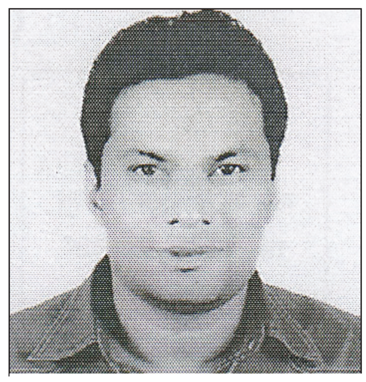

श्री सन्दीप जैन
प्लाट नं. 2, सेन कॉलोनी, पावर हाउस रोड (नियर रेलवे स्टेशन), जयपुर (राज.)

श्री शिखरचंद जैन
चंद्रकला कॉलोनी, स्ट्रीट-2, दुर्गापुरा, जयपुर (राज.)

श्री अखिल कुमार जैन
69, आवास विकास, सिविल लाईन, मुरादाबाद (उ.प्र.)

श्री राहुल जैन
69, आवास विकास, सिविल लाईन, मुरादाबाद (उ.प्र.)

आप सभी महानुभावों ने रूपये 11,000/- प्रदान कर 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' की 'आजीवन सदस्यता' ग्रहण की है जिसके लिये महासभा परिवार आपका हृदय से आभारी है।

अपने आचरण को पुण्य कार्य की गतिविधियों में लगाना चाहिये : मुनि श्री संबुद्धसागर

पदमचंद सोगानी

अजमेर, 22 अगस्त। धर्म जीवन का सार है। स्वाध्याय का अर्थ अपने को टटोलना, अपनी बुराई को दूर कर सुधारना। अपनी प्रवृतियों को अषुभ से शुभ की ओर ले जाना। यह उद्गार मुनि श्री संबुद्धसागरजी महाराज ने पंचायत छोटा धड़ा नसियां में धर्म सभा में व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा कि पुण्य का उदय में आना कभी नहीं रोका जा सकता लेकिन पुण्य का भोग तो रोका जा सकता है। जैसे कोई आपको उपहार देना चाह रहा है लेकिन आप उसे आनाकानी के बाद भी नहीं लेते हैं तो यह पुण्य का भोग रोकना हुआ। इसलिये व्यक्ति को अपने आचरण को पुण्य कार्य की गतिविधियों में लगाना चाहिये और पुण्य बढ़ाने की गतिविधियों में रहना चाहिये।

जीवन में शान्ति से ही सुधरेगा भविष्य - मुनि सुधासागर जी

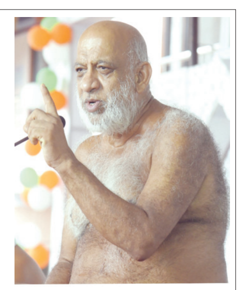

ललितपुर। आध्यात्मिक संत निर्यापक मुनि श्री सुधासागर महाराज ने क्षेत्रपाल मंदिर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि सुख में व्यक्ति यश, आराम और दुख में प्रभु की शरण जाता है। यही नहीं दुख में व्यक्ति को धर्म ध्यान और सुख में पाप की ओर बढ़ता है। मुनि श्री ने कहा कि व्यक्ति सुख में जब घूमने ले लिए जाता है तो पाप की ओर बढ़ता है और वही व्यक्ति जब दुख में घूमने जाएगा तो उसे पाप नहीं वरन् घूमने में धर्म ध्यान की सोचेगा। मुनि श्री ने श्रावकों को सुख और दुख में धर्म ध्यान से जुड़कर प्रभु चरणों रहने की सीख दी जिससे जीवन में शान्ति तो रहेगी साथ ही अपना भविष्य भी सुधार लेगा।

जैन शिक्षा जगत के लिए खुशखबरी
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन श्रुत संवर्धिनी महासभा
आचार्य शांतिसागर छात्रवृत्ति योजना
के तहत अर्थाभावग्रस्त दिगम्बर जैन 31 मेधावी छात्र - छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु आचार्य शांतिसागर छात्रवृत्ति प्रदान कीगई।
आवेदन कैसे करें ?
आप सभी से निवेदन है कि आप अपने आस-पास अर्थाभावग्रस्त दिगम्बर जैन मेधावी छात्र - छात्राओं को उच्च शिक्षा हेतु, आचार्य शांतिसागर छात्रवृत्ति योजना के लिए सम्पर्क करें अथवा महासभा की वेबसाइट लिंक
www.digjainmahasabha.org
अथवा
http://www.digjainmahasabha.org/Scholershipfrom.pdf
से छात्रवृति हेतु फार्म डाउनलोड़ कर अपने दस्तावेज संगलित करके महासभा कार्यालय में भेजवा देवें।
सम्पर्क सूत्र
श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा
5, खडेलवाल दिगंबर जैन मंदिर परिसर, शिवाजी स्टेडियम के पीछे राजा बाजार कनॉट प्लेस, नई दिल्ली 110001
दूरभाष: 011- 23344668, 23344669 98994 09690
गजराज जैन गंगवाल
राष्ट्रीय अध्यक्ष
डॉ निर्मल कुमार जैन
राष्ट्रीय महामंत्री- श्रुत संवर्धिनी महासभा

24 वर्ष का इन्तजार-------- हो रहा साकार-----

अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में

पंचकल्याणक: 24 से 28 नवंबर 2022

महास्तकाभिषेक: 27 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022

परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में 24 वर्ष बाद चान्दनपुर वाले बाबा श्री महावीर जी का महामस्तकाभिषेक नवम्बर 2022 में होने जा रहा है, इस हेतु सौभाग्य आपको बुला रहा है। इन ऐतिहासिक पलों के आप साक्षी बनें एवं पुण्य अर्जित करें। रत्नों से भी महंगी मनुष्य पर्याय है और इस पर्याय की सार्थकता धार्मिक कार्यों में रूचि रखने में है, श्री महावीर जी के महामस्तकाभिषेक में उपस्थित होने पर अक्षय पुण्य बन्ध का हेतु है।

पुण्यार्जक/नमनकर्ता

यह प्रकाशन कोलकाता के दानवीरों की उदारता एवं उत्कृष्ट भावना से प्रकाशित हो रहा है-

S K P GROUP

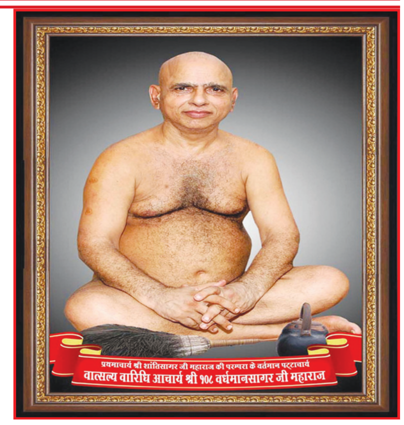

मार्गदर्शक

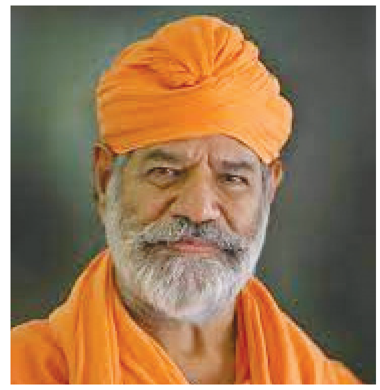

भट्टारक स्वामी
श्री चारूकीर्ति जी महाराज

सुरेश पाटनी कोलकाता | सरिता पाटनी कोलकाता | रोहित पाटनी कोलकाता | नेहा पाटनी कोलकाता | अंकित पाटनी कोलकाता | नैना पाटन कोलकाता | अन्या पाटन कोलकाता | अयांश पाटनी कोलकाता | अर्हम पाटनी कोलकाता | राजवीर पाटनी कोलकाता

पवन कुमार मोदी कोलकाता | महावीर प्रसाद काला कोलकाता | संजय कुमार काला कोलकाता | राजकुमार काला कोलकाता | बबीता काला कोलकाता | धर्मचन्द मोदी कोलकाता | अजीत पाण्ड्या कोलकाता | झूमरमल पाटन कोलकाता | दिनेश कुमार पाटनी कोलकाता | श्रीमती माया काला कोलकाता

श्रीमती क्षमा गंगवाल कोलकाता | प्रकाशचंद बाकलीवाल, श्रीमती गुणमाला देवी बाकलीवाल कोलकाता | पवन कुमार पाटनी, दौलत कुमार पाटनी आशिका ग्रुप, कोलकाता | विमला देवी छाबड़ा कोलकाता | विनोद कुमार जैन कोलकाता | हजारीमल पाण्ड्या कोलकाता | अजित कुमार पाटनी कोलकाता | सुनिल कुमार पाटनी कोलकाता

निर्मल-श्रीमती पुष्पा, बिन्दायका, कोलकाता | अशोक कुमार पाटनी कोलकाता | कमलनयन ठोल्या (सीए) कोलकाता | पन्नालाल बगड़ा, विक्रम विहार, हाबड़ा | राजकुमार बगड़ा, विक्रम विहार, हाबड़ा | दर्शन पाण्ड्या डबसन रोड, हाबड़ा | सुरेश गंगवाल डबसन रोड, हाबड़ा | विजय कुमार पाण्ड्या डबसन रोड, हाबड़ा | पुखराज बड़जात्या कोलकाता

धनकुमार पाटनी कोलकाता | महावीर प्रसाद ठोल्या, (बहुरानी) कोलकाता | चन्द्र कुमार सेठी कोलकाता | श्रीमती अन्जना देवी पाटनी कोलकाता | श्रीमती शर्मिला काला डबसन रोड, कोलकाता | सुरेन्द्र गंगवाल विवेक विहार, हाबड़ा | दिलीप कुमार पाटोदी डबसन रोड, कोलकाता | सम्पत जी पाण्ड्या कोलकाता | हुकुमचन्द बड़जात्या कोलकाता | रवि कासलीवाल कोलकाता

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

देह से निवृत्ति ही मुक्ति है।

24 वर्ष का इन्तजार-------- हो रहा साकार-----

अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में

पंचकल्याणक: 24 से 28 नवंबर 2022

महास्तकाभिषेक: 27 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022

परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में 24 वर्ष बाद चान्दनपुर वाले बाबा श्री महावीर जी का महामस्तकाभिषेक नवम्बर 2022 में होने जा रहा है, इस हेतु सौभाग्य आपको बुला रहा है। इन ऐतिहासिक पलों के आप साक्षी बनें एवं पुण्य अर्जित करें। रत्नों से भी महंगी मनुष्य पर्याय है और इस पर्याय की सार्थकता धार्मिक कार्यों में रूचि रखने में है, श्री महावीर जी के महामस्तकाभिषेक में उपस्थित होने पर अक्षय पुण्य बन्ध का हेतु है।

पुण्यार्जक/नमनकर्ता

यह प्रकाशन कोलकाता के दानवीरों की उदारता एवं उत्कृष्ट भावना से प्रकाशित हो रहा है-

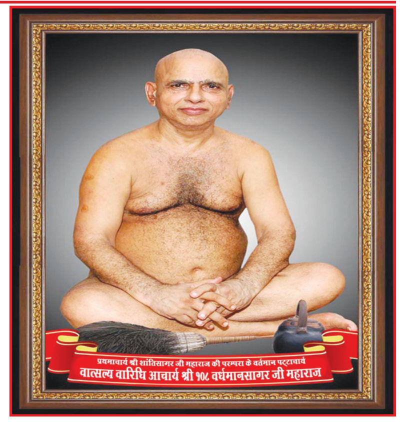

मार्गदर्शक

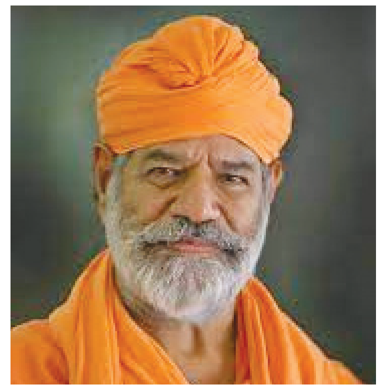

भट्टारक स्वामी
श्री चारूकीर्ति जी महाराज

भागचन्द पहाड़िया
काला कोलकाता

चन्द्रप्रकाश पहाड़िया
काला कोलकाता

संजय कुमार पहाड़िया
काला कोलकाता

जे. के. मसाले

विनोद काला
काला कोलकाता

किरन काला
कोलकाता

सन्तोष सेठी
कोलकाता

सुरेश कुमार पाटनी
कोलकाता

सागर जैन
कासलीवाल कोलकाता

गुप्त सज्जन
कोलकाता

भारत लुहाड़िया
कोलकाता

नेमीचन्द बज-श्रीमती कमला देवी बज,
संभव ग्रुप कोलकाता

संजय जैन (सीए)
कोलकाता

नरेन्द्र कुमार
कोलकाता

सुधीर जैन
कोलकाता

राजीव जैन
कोलकाता

श्रीमती कनकमाला
बड़जात्या, विक्रम विहार

श्रीमती संतोषदेवी
पाटनी, विक्रम विहार

महेन्द्र कुमार सेठी
कोलकाता

विजय कुमार छाबड़ा,
हरियाणा भवन, कोलकाता

कमल कुमार टोंग्या
कोलकाता

श्रीमती संतोषदेवी
सेठी, विक्रम विहार

प्रेरणा

24 वर्ष का इन्तजार-------- हो रहा साकार-----

अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में

पंचकल्याणक: 24 से 28 नवंबर 2022

महास्तकाभिषेक: 27 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022

परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में 24 वर्ष बाद चान्दनपुर वाले बाबा श्री महावीर जी का महामस्तकाभिषेक नवम्बर 2022 में होने जा रहा है, इस हेतु सौभाग्य आपको बुला रहा है। इन ऐतिहासिक पलों के आप साक्षी बनें एवं पुण्य अर्जित करें। रत्नों से भी महंगी मनुष्य पर्याय है और इस पर्याय की सार्थकता धार्मिक कार्यों में रूचि रखने में है, श्री महावीर जी के महामस्तकाभिषेक में उपस्थित होने पर अक्षय पुण्य बन्ध का हेतु है।

श्री वीरेन्द्र हेगड़े धर्मस्थल का व्यक्तित्व

जहां उपस्थित होते हैं वहां सब उनको प्यार करते हैं,
जहां से चले जाते हैं, सब उनको याद करते हैं।
जहां पहुंचने वाले होते हैं वहां सब उनका इन्तजार करते हैं।

श्री वीरेंद्र हेगड़े जी- आप भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के परम शिरोमणि संरक्षक के पद को सुशोभित करते हैं।

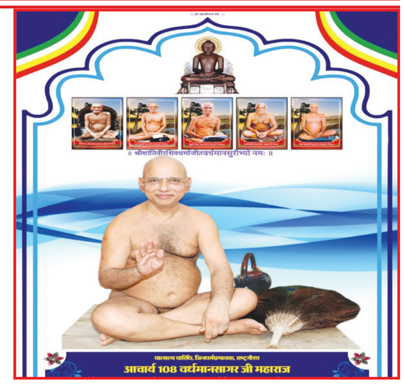

मार्गदर्शक

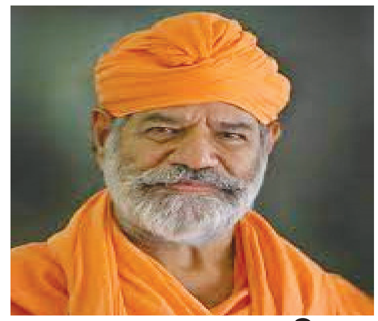

भट्टारक स्वामी
श्री चारूकीर्ति जी महाराज

पुण्यार्जक/नमनकर्ता: यह प्रकाशन निम्न दानवीरों की उदारता एवं उत्कृष्ट भावना से प्रकाशित हो रहे हैं।

वीरेन्द्र हेगड़े धर्मस्थल | राजेन्द्र कटारिया अहमदाबाद | गजराज जी गंगवाल दिल्ली | प्रकाश चंद्र बड़जात्या, चेन्नई | रत्नप्रभा सेठी गुवाहाटी | विनोद कुमार काला कोलकाता | एम. के. जैन चेन्नई | सरिता जैन चेन्नई | प्रदीप जैन आगरा | मीना जैन आगरा

तिनसुकिया के नमनकर्ता

हुलासचन्द सेठी | प्रमोद बज | विकास पाटनी | श्रीमती वाणी पाटनी | पदमचंद रावंका एवं श्रीमती राजकुमारी रावंका (एलआईसी एजेंट) | शौभागमल झांझरी | अशोक कुमार सेठी | महावीर सेठी सिल्चर | मणीन्द्र जैन दिल्ली

गुवाहाटी के नमनकर्ता

जयपुर के नमनकर्ता

सी.ए. सन्तोष काला, गुवाहाटी | प्रकाश जी काला गुवाहाटी | श्रीमती किरण काला | दिलीप बड़जात्या | श्रीमती सुनिता बड़जात्या | रमेश तिजारिया | धर्मचन्द्र पहाड़िया | कंवरीलाल जी काला, जयपुर | प्रदीप चूड़ीवाल - श्रीमती निर्मला चूड़ीवाल (निखार फैशन, जयपुर)

कमल कुमार गंगवाल, हाथीगोला | श्रीमती वीणा देवी छाबड़ा | श्रीमती ऊषा देवी बड़जात्या, पाण्डु, गुवाहाटी | विमल कुमार बड़जात्या, पाण्डु, गुवाहाटी | संजय कुमार काला पाण्डु, गुवाहाटी | शिखरचन्द कासलीवाल | श्रीपाल सबलावत, सुरेश सबलावत (हुलासचन्द सबलावत परिवार) | दिनेश कासलीवाल, प्रमुख समाजसेवी | राजकुमार सेठी

श्रीमती राजुल छाबड़ा पाण्डु | विनोद कुमार पाटोदी, पाण्डु, गुवाहाटी | श्रीमती विमला देवी कुबेर गैस | मन्जू सेठी आठं गाव | श्रीमती अलका देवी बड़जात्या, मालेगांव | नवरतन मल पाटनी अष्टम प्रतिमाधारी | श्रीपाल-कुसुम चूड़ीवाल सुपार्श्व गार्डन सिटी, जयपुर | सोहनलाल सेठी | नरेन्द्र कुमार सेठी

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

प्रेरणा

24 वर्ष का इन्तजार-------- हो रहा साकार-----

अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में

पंचकल्याणक: 24 से 28 नवंबर 2022

महास्तकाभिषेक: 27 नवम्बर से 04 दिसम्बर 2022

परम पूज्य, वात्सल्य वारिधि, जिन धर्म प्रभावक, राष्ट्र गौरव आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में 24 वर्ष बाद चान्दनपुर वाले बाबा श्री महावीर जी का महामस्तकाभिषेक नवम्बर 2022 में होने जा रहा है, इस हेतु सौभाग्य आपको बुला रहा है। इन ऐतिहासिक पलों के आप साक्षी बनें एवं पुण्य अर्जित करें। रत्नों से भी महंगी मनुष्य पर्याय है और इस पर्याय की सार्थकता धार्मिक कार्यों में रूचि रखने में है, श्री महावीर जी के महामस्तकाभिषेक में उपस्थित होने पर अक्षय पुण्य बन्ध का हेतु है।

श्री वीरेन्द्र हेगड़े धर्मस्थल का व्यक्तित्व

जहां उपस्थित होते हैं वहां सब उनको प्यार करते हैं,
जहां से चले जाते हैं, सब उनको याद करते हैं।
जहां पहुंचने वाले होते हैं वहां सब उनका इन्तजार करते हैं।

श्री वीरेंद्र हेगड़े जी- आप भगवान महावीर महामस्तकाभिषेक महोत्सव समिति के परम शिरोमणि संरक्षक के पद को सुशोभित करते हैं।

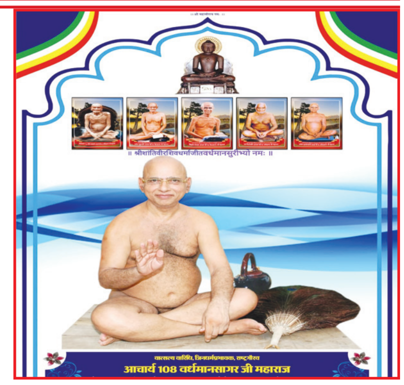

मार्गदर्शक

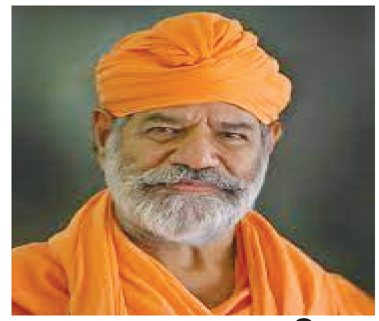

भट्टारक स्वामी
श्री चारूकीर्ति जी महाराज

पुण्यार्जक/नमनकर्ता: यह प्रकाशन निम्न दानवीरों की उदारता एवं उत्कृष्ट भावना से प्रकाशित हो रहे हैं।

वीरेन्द्र हेगड़े धर्मस्थल | राजेन्द्र कटारिया अहमदाबाद | गजराज जी गंगवाल दिल्ली | प्रकाश चंद्र बड़जात्या, चेन्नई | रत्नप्रभा सेठी गुवाहाटी | विनोद कुमार काला कोलकाता | एम. के. जैन चेन्नई | सरिता जैन चेन्नई | प्रदीप जैन आगरा | मीना जैन आगरा

मणीन्द्र जैन दिल्ली | हंसमुख गांधी, इन्दौर | महावीर पाटनी, मनीष मार्बल, मदुरई | एस.पी. जैन हैदराबाद | अनिल टोंग्या डीमापुर | चांदमल सेठी डीमापुर/बैंगलोर | पन्नालाल बैनाड़ा, आगरा | विवेक बैनाड़ा आगरा | श्रीमती मुन्नी देवी गंगवाल, सिल्चर | त्रिलोकचंद सेठी अध्यक्ष, किशनगंज

ज्ञानचन्द छाबड़ा, रानोली (सीकर) | दीपचन्द छाबड़ा - रानोली (सीकर) | सन्त कुमार छाबड़ा - रानोली (सीकर) | अमरचन्द-सुषमा छाबड़ा -रानोली (सीकर) | महेंद्र कुमार छाबड़ा - रानोली (सीकर)

------------ मदनगंज-किशनगढ़ के नमनकर्ता ------------

विजय कुमार कासलीवाल कुचील वाले मदनगंज -किशनगढ़ | माणकचन्द गंगवाल कडेल वाले मदनगंज -किशनगंज | पारसमल पाण्ड्या उटड़ा वाले मदनगंज -किशनगढ़ | विनोद कुमार पाटनी अध्यक्ष श्री मुनि सुव्रतनाथ पंचायत | राजकुमार दोसी मदनगंज -किशनगढ़ | प्रकाशचन्द्र बोहरा मदनगंज -किशनगढ़ | रमेश सेठी-श्रीमती संतोष सेठी मेडता रोड | संजय पापड़ीवाल मदनगंज-किशनगढ | कमल कुमार बैद उटड़ा वाले मदनगंज -किशनगढ

------------ शिलोंग के नमनकर्ता ------------

प्रकाशचन्द सरला देवी पाटनी निवासी सुजानगढ़ प्रवासी शिलांग | श्री चन्द गंगवाल | श्रीमती राजकुमारी गगंवाल | हरकचन्द काला | श्रीमती पुष्पादेवी काला | गोवर्धन पहाड़िया | श्रीमती माया देवी पहाड़िया | श्रीमती बबीता बड़जात्या | अजय कुमार विनायका

विज्ञापन प्रेषक: R. K. Advertising द्वारा-शेखरचन्द पाटनी, जैन गजट राष्ट्रीय संवाददाता, मो. 09667168267 rkpatni777@gmail.com

दसलक्षण महापर्व: आत्म जागरण का महापर्व

पर्यूषण यानि दसलक्षण पर्व का जैन धर्म में बहुत ही महत्व है। यह पर्व हमारे जीवन को परिवर्तन में कारण बन सकता है। यह ऐसा पर्व है जो हमारी आत्मा की कालिमा को धोने का काम करता है। पर्यूषण पर्व आत्मावलोकन का पर्व है, अपनी आत्मा में रमण करने का पर्व है, जागृत होने का समय है। विकृति का विनाश और विशुद्धि का विकास इस पर्व का ध्येय है। यह पर्व हमारी उदास टूटी हुई जिन्दगी को उत्सव से जोड़कर चला जाता है। यह पर्व आत्मालोचन, आत्मनिरीक्षण, आत्म जागृति एवं आत्मोपलब्धि का महान् महापर्व है। यह महापर्व राग का नहीं त्याग, संयम, साधना और आत्म जागरण का महापर्व है।

सर्वाधिक महत्व: जैन धर्म में पर्यूषण पर्व का सर्वाधिक महत्व है। जैन परम्परा के अनुसार यह पर्व भादों, माघ और चैत्र के महीने में शुक्ल पक्ष की पंचमी से लेकर चतुर्दशी तक वर्ष में तीन बार आता है। आता तो वर्ष में तीन बार है किन्तु बड़े उत्साह से विशाल रूप में मनाने की परम्परा सिर्फ भाद्रपद के महीने की ही है। जैन धर्म के दिगम्बर, श्वेताम्बर दोनों सम्प्रदायों में इस पर्व को मनाने की परम्परा है। विशेष यह है कि श्वेताम्बर समाज भाद्रपद कृष्णा त्रयोदशी से भाद्रपद शुक्ला पंचमी तक सिर्फ 8 दिन का मनाते हैं जबकि दिगम्बर समाज में 10 दिन का प्रचलन है।

आत्म शुद्धि और आत्म जागरण का पर्व

यह एक मात्र आत्मशुद्धि और आत्म जागरण का पर्व है। इस पर्व में आत्मा के दश गुणों की आराधना की जाती है। इनका सीधा सम्बन्ध आत्मा के कोमल परिणामों से है। इस पर्व का वैशिष्ट्य है कि इसका सम्बन्ध किसी व्यक्ति विशेष से न होकर आत्मा के गुणों से है। इन गुणों में से एक गुण की भी परिपूर्णता हो जाय तो मोक्ष तत्व की उपलब्धि होने में किंचित भी संदेह नहीं रह जाता है।

डॉ. सुनील 'संचय', ललितपुर
सह सम्पादक जैन गज़ट

दस दिन और दस धर्म के अंग

1. **उत्तम क्षमा:** क्रोध का कारण उपस्थित होने पर भी क्रोध न करना क्षमा है। समर्थ रहने पर भी क्रोधत्पादक निंदा, अपमान, गाली-गलौज आदि प्रतिकूल व्यवहार होने पर मन में कलुषता न आने देना उत्तम क्षमा धर्म है।

2. **उत्तम मार्दव:** आधि, व्याधि से दूर समाधि की यात्रा करने का दिन। चित्त में मृदुता और व्यवहार में विनम्रता ही मार्दव है। यह मान कषाय के अभाव में प्रकट होता है। जाति, कुल, रूप, ज्ञान, तप, वैभव, प्रभुत्व, ऐश्वर्य सम्बन्धी अभिमान मद कहलाता है, इन्हें विनश्वर समझकर मान, कषाय को जीतना उत्तम मार्दव धर्म कहलाता है।

3. **उत्तम आर्जव:** आर्जव का अर्थ है ऋजुता सरलता होता है, मन में कुछ, वचन में कुछ, प्रकट में कुछ प्रवृत्ति ही मायाचारी है। इस माया कषाय को जीतकर मन, वचन और काय की क्रिया में एकरूपता लाना उत्तम आर्जव धर्म है।

4. **उत्तम शौच:** शौच का अर्थ है-पवित्रता। अतः अपने हृदय में मद क्रोधादिक बढ़ाने वाली जितनी भी दुर्भावनायें हैं, उनमें सबसे प्रबल लोभ कषाय है। इस लोभ पर विजय पाना ही उत्तम शौच धर्म है। संतोष धारण का दिन है शौच धर्म।

5. **उत्तम सत्य:** दूसरों के मन को संताप उत्पन्न करने वाले निष्ठुर, कर्कश और कठोर वचनों का त्याग कर सबसे हितकारी और प्रिय वचन बोलना उत्तम सत्य धर्म है।

6. **उत्तम संयम:** संयम का अर्थ है - जो जग का यम है, संसार को मारने के लिए यमराज है, बस वहीं संयम है। आत्म नियंत्रण। पांचों इन्द्रिय एवं मन की प्रवृत्तियों पर अंकुश रखकर उनकी अनर्गल प्रवृत्तियों पर नियंत्रण रखना और षट्काय के जीवों की विराधना न करना, उत्तम संयम धर्म है।

7. **उत्तम तप:** इच्छाओं के निरोध को तप कहते हैं। विषय कषायों का निग्रह करके बारह प्रकार के तपों में चित्त लगाना, उत्तम तप धर्म है। तप धर्म का मुख्य उद्देश्य चित्त की मलिन वृत्तियों का उन्मूलन है।

8. **उत्तम त्याग:** यह जीवन का सौंदर्य है, वस्तु के प्रति आसक्ति का भाव मिटाने का नाम है त्याग। परिग्रह की निवृत्ति को त्याग कहते हैं। बिना किसी प्रत्युपकार की अपेक्षा के अपने पास होने वाली धनादि सम्पदा को दूसरों के हित व कल्याण के लिए लगाना उत्तम त्याग धर्म है।

9. **उत्तम आकिंचन्य:** ममत्व के परित्याग को आकिंचन्य कहते हैं। आकिंचन्य का अर्थ होता है कि मेरा कुछ भी नहीं है। अपने उपकरणों एवं शरीर से भी निर्ममत्व होना ही उत्तम आकिंचन्य धर्म है। क्योंकि कई बार सबका त्याग करने के बाद उस त्याग के प्रति ममत्व हो सकता है। आकिंचन्य धर्म में उस त्याग के प्रति होने वाले ममत्व का भी त्याग कराया जाता है।

10. **उत्तम ब्रह्मचर्य :** आत्मा में रमण करना ब्रह्मचर्य है। रागोत्पादक साधनों के होने पर भी उन सबसे विरक्त होकर आत्मोन्मुखी बने रहना, उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म है। ये दस धर्म हमें सभी से क्षमा कराकर आत्मा में रमने की शिक्षा देते हैं। बिना क्षमाभाव के आत्मा को पाना, मुक्ति को पान असम्भव है। ये दस धर्म परमात्मा के द्वार तक पहुंचाने के लिए सीढ़ी के समान है।

पुण्य के पालक और पाप के प्रक्षालक: दसलक्षण धर्म (पर्यूषण पर्व) के फल के बारे में आचार्य कार्तिकेय स्वामी ने लिखा है -

एदे दहप्पयारा पाव कम्मस्स णासिया भणिया।
पुण्णस्स संजणाया पर पुण्णत्थं ण कायव्वा।।

यह धर्म के दशभेद पाप कर्म को नाश करने वाले और पुण्य का प्रादुर्भाव करने वाले हैं। इसे इस रूप में भी कहा जा सकता है कि यह धर्म पुण्य के पालक और पाप के प्रक्षालक हैं।

पर्युषण पर्व के दौरान विभिन्न धार्मिक क्रियाओं से आत्म शुद्धि की जाती व मोक्षमार्ग को प्रशस्त करने का प्रयास किया जाता है ताकि जनम-मरण के चक्र से मुक्ति पायी जा सके। जब तक अशुभ कर्मों का बंधन नहीं छूटेगा, तब तक आत्मा के सच्चे स्वरूप को हम नहीं पा सकते हैं।

पापों और कषायों के विसर्जन का पर्व

यह पर्व जीवन में नया परिवर्तन लाता है। दस दिवसीय यह पावन पर्व पापों और कषायों को रग-रग से विसर्जन करने का संदेश देता है।

संपूर्ण संसार में यही एक ऐसा उत्सव या पर्व है जिसमें आत्मरत् होकर व्यक्ति आत्मार्थी बनता है व अलौकिक, आध्यात्मिक आनंद के शिखर पर आरोहण करता हुआ मोक्षमार्गी होने का सद्प्रयास करता है। पर्युषण आत्म जागरण का संदेश देता है और हमारी सोई हुई आत्मा को जगाता है। यह आत्मा द्वारा आत्मा को पहचानने की शक्ति देता है।

यह पर्व जीव मात्र को क्रोध, मान, माया, लोभ, ईर्ष्या, द्वेष, असंयम आदि विकारी भावों से मुक्त होने की प्रेरणा देता है। हमारे विकार या खोटे भाव ही हमारे दुःख का कारण हैं और ये भाव बाह्य पदार्थों या व्यक्तियों के ससंर्ग के निमित्त से उत्पन्न होते हैं। आसक्ति - रहित आत्मावलोकन करने वाला प्राणी ही इनसे बच पाता है। इस पर्व में इसी आत्म दर्शन की साधना की जाती है। यह एक ऐसा अभिनव पर्व है कि जिससे किसी अवतार, युग पुरूष या व्यक्ति विशेष का गुणमान न करके अपने ही भीतर छिपे सद्गुणों को विकसित करने का पुरूषार्थ किया जाता है। अपने व्यक्तित्व को समुन्नत बनाने का यह पर्व यह सर्वोत्तम माध्यम है।

पर्व का मूल स्वरूप खो रहा है

आज दसलक्षण महापर्व का यह आत्मिक आयोजन अपने मूल स्वरूप को खोता जा रहा है। अनेक विसंगतियों ने इसे घेर लिया है, किसी ने इस पर्व को धन जुटाने का साधन बना लिया है तो किसी ने बाह्य प्रदर्शन का। संस्थाएं तो चंदा-चिट्ठा के लिए इस पर्व का बेसब्री से इंतजार करती हैं। मात्र पूजा-पाठ तक अब यह पर्व सिमटता नजर आ रहा है। व्रत-उपवास भी अब प्रदर्शन की भेंट चढ़ रहे हैं। खान-पान भी अब वैसा रहा नहीं जो वर्षों पहले पर्व के दौरान श्रद्धालुओं में देखा जाता था।

आइए, इस बार इस संकल्प करें इस महान पर्व के मूल स्वरूप के अनुरूप मनाने का।

।।श्री महावीराय नमः।।

59 वीं पुण्य तिथि

आपको प्रेम व श्रद्धा के साथ स्मरण करते हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि आपकी आत्मा चिरशान्ति में रहे एवं हमें कर्तव्यपरायण व समृद्ध जीवन व्यतीत करने की प्रेरणा प्रदान करे।

रतनी देवी छाबड़ा (धर्मपत्नी)
एवं समस्त छाबड़ा परिवार

निवास: भागचंद राजेन्द्र कुमार जैन (छाबड़ा)
"माणिक रतन" बिल्डिंग, एच.बी. रोड,
मचखोवा, गुवाहाटी-781009 (असम)
फोन: 03612547747/09435111035

Jain Group™ An ISO 9001:2008 Certified Company

स्व. माणिकचन्द जी छाबड़ा

जन्म 23 जनवरी 1932 | स्वर्गवास 26 अगस्त 1963

प्रतिष्ठान: जैन ग्रुप ऑफ कम्पनी 'अरिहन्त', सेठी ट्रस्ट बिल्डिंग, ग्राउंड फ्लोर, जी. एस. रोड, भांगागढ़, गुवाहाटी-781005

राम, कृष्ण, भ. महावीर के विचार का आचरण हो : आचार्य पुलकसागर जी

एम. सी. जैन, संवाददाता

राम, कृष्ण, भ. महावीर भारतीय संस्कृति के आदर्श प्रतीक हैं तीनों महापुरूषों के विचार। यदि आप अपने जीवन में सक्रिय रूप से अमल में लाओगे तो अपना जीवन उन्नत और सुखमय बन सकते हो। कृष्ण जन्माष्टमी में वैदिक और श्रमण परम्परा चलती है। दोनों परम्परायें यानि एक ही रेल पटरी पर चलने वाली ट्रेन है, दो पटरी पर चलने वाली ट्रेन समांतर सभ्यता, संस्कृति का संगम है। अनादिकाल तक यह परम्परा चलने वाली है, ऐसे भावपूर्ण विचार भारत गौरव, राष्ट्रसंत आचार्य पुलकसागर जी महाराज श्री जी ने औरंगाबाद में ज्ञानगंगा महोत्सव में व्यक्त किये। तीनों महापुरूषों के जीवन का अभ्यास करोगे तो बालपन, युवावस्था और वृद्धावस्था कैसे जिए यह सीख पाओगे। औरंगाबाद में आचार्य पुलकसागर जी महाराज जी के प्रभावी, सारगर्भित प्रवचन सुनने के लिये भक्तों की भीड़ हो रही है।

विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित

महावीर प्रसाद पाटनी, सं.

सुजानगढ़। दी यंग क्लब ऑफ सुजानगढ़ के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर स्व. आनंदीलाल जी पाण्ड्या (सरावगी) की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्र शैलेन्द्र जी पाण्ड्या व पुत्रवधु इंद्रा पाण्ड्या के सौजन्य से स्थानीय राजकीय झंवर उच्च मा. विद्यालय में जरूरत विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किये गए। दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सड़वाला की अध्यक्षता में आयोजित हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिकित्सक डा. सरोज छाबड़ा थे। बतौर विशिष्ट अतिथि दिगम्बर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष विमल पाटनी, समाज के उपाध्यक्ष लालचंद बगड़ा, पाण्ड्या परिवार के प्रतिनिधि महावीर प्रसाद पाटनी, पर्यावरण प्रेमी सहायक अभियंता राजेन्द्र कुमार प्रजापत, वनपाल वीरेंद्र सिंह, टीम हारे के सहारे के संयोजक श्याम सुंदर स्वर्णकार, क्लब प्रतिनिधि दानमल शर्मा, हाजी मोहम्मद व गिरधर शर्मा मंचस्थ थे।

महिला मंडल का स्वागत

फागी संवाददाता

फागी। श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर वैशाली नगर जयपुर के महिला मंडल के 35 सदस्यीय दल ने विभिन्न जिनालयों के दर्शन कर धर्म लाभ प्राप्त किया। यात्रा दल जयपुर से रवाना होकर ज्ञानमति दीक्षास्थली माधोराजपुरा में दर्शन कर यहां पहुंचा।

फागी में भ. पार्श्वनाथ निर्वाणोत्सव मनाया

राजाबाबू गोधा, फागी संवाददाता

फागी कस्बे में तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2874वां निर्वाणोत्सव जैन धर्मावलंबियों द्वारा भक्तिभाव से मनाया गया। इस मौके पर आदिनाथ जिनालय, बीचला मंदिर, मुनिसुव्रतनाथ मंदिर, पार्श्वनाथ जिनालय, चंद्रप्रभु नसियां सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चोरू, नारेडा, मंडावरी, मेंदवास, नीमेडा सहित सभी जिनालयों में प्रातः श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा, अष्ट द्रव्यों से पूजा के बाद विशेष आयोजन किए गए तथा जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का 2874वां निर्वाणोत्सव मनाया गया तथा विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू सामूहिक रूप से चढ़ाया गया।

भ. वासुपूज्य के श्री चरणों में मिले स्वतः चांदी के 2 सिक्के

जयपुर। गोवर्धन नगर सांगानेर जयपुर के नवनिर्मित जिनालय में श्रावक-श्राविकाओं का दर्शनार्थ आना प्रारंभ हुआ कि सर्वप्रथम श्रीमती चमेली देवी जैन (लाखनपुर वाले) प्रभु दर्शन करने आई कि मूलवेदी के समीप एक साथ दो चांदी के सिक्के जिसमें एक तो सन् 1887 का एवं दूसरा 1919 सन् का देखने को मिला वह महिला भावविभोर होते हुए पूज्या गुरू मां गणिनी आ. श्री विजयमती माताजी के चरणों में आई और वह सिक्के दिखाये। पू. गुरू मां ने पूर्व में ही कई बार कहा था कि प्रभु वासुपूज्य स्वामी बहुत ही अतिशयकारी है।

जैन सोश्यल ग्रुप सीकर ने 75वां आजादी का अमृत महोत्सव मनाया

राजेश जैन, सीकर

सीकर। आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत जैन सोश्यल ग्रुप सीकर के तत्वावधान में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय दूजोद में स्वतंत्रता दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। सर्वप्रथम ग्रुप के पदाधिकारियों एवं विद्यालय प्राचार्य ने संयुक्त रूप से तिरंगा फहराया। झंडारोहण के पश्चात् राष्ट्र गान हुआ एवं भारत माता की जयकारों के साथ हजारों तिरंगे बैलून हवा में उड़ाए गए। पदम सेठी एवं दिलीप सेठी ने देश भक्ति गाने की शानदार प्रस्तुति दी। अध्यक्ष मनोज बाकलीवाल एवं मंत्री अंकुर छाबड़ा ने अपने संबोधन में सभी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर विद्यालय के सभी बच्चों को महावीर प्रसाद अशोक कुमार नथमल रारा दूजोद निवासी द्वारा ड्रेस वितरित की गई। बच्चों को ग्रुप की तरफ से मिठाई वितरित की गई। कार्यक्रम में मनोज-अलका बाकलीवाल, अंकुर छाबड़ा, अनिल-वन्दना जैन, केसर-मंजू रारा, विमल-सपना मोदी, नवीन-प्रियंका रारा, दिलीप-रूचिका सेठी, प्रबोध-ट्विंकल पहाड़िया, विकास लुहाड़िया, पंकज पाटनी, पदम सेठी, निशांत गंगवाल, बबिता पहाड़िया सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जयपुर नगरी के श्री सौरभ जैन ने गत दिनों 24 घंटे लगातार बिना कुछ खाये पिये मोटिवेशनल स्पीच देकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। **बहुत-बहुत बधाई।**

शोक समाचार

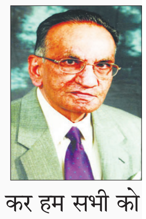

दिगम्बर जैन समाज के अंतर्राष्ट्रीय गौरव, दानवीर, अनेकों तीर्थक्षेत्रों का विकास करने वाले, भामाशाह, पूज्य संतशिरोमणि आचार्यश्री के परम भक्त, स्कीम नं. 78 में बड़े बाबा को विराजमान कर हम सभी को प्रतिदिन देवदर्शन करवाने वाले हम सभी के अतिसम्माननीय डॉ. महेन्द्र कुमार जी पाण्ड्या जी अमेरिका आज हमारे बीच नहीं रहे।

श्री भक्तामर दीप अर्चना एवं महाआरती

अपने आचरण को पुण्य कार्य की गतिविधियों में लगाना चाहिये : मुनि श्री संबुद्धसागर

पदमचंद सोगानी

अजमेर, 22 अगस्त। धर्म जीवन का सार है। स्वाध्याय का अर्थ अपने को टटोलना, अपनी बुराई को दूर कर सुधारना। अपनी प्रवृतियों को अशुभ से शुभ की ओर ले जाना। यह उद्गार मुनि श्री संबुद्धसागरजी महाराज ने पंचायत छोटा धडा नसियां में धर्म सभा में व्यक्त किये। मुनि श्री ने कहा कि पुण्य का उदय में आना कभी नहीं रोका जा सकता लेकिन पुण्य का भोग तो रोका जा सकता है जैसे कोई आपको उपहार देना चाह रहा है, लेकिन आप उसे आनाकानी के बाद भी नहीं लेते हैं तो यह पुण्य का भोग रोकना हुआ। इसलिये व्यक्ति को अपने आचरण को पुण्य कार्य की गतिविधियों में लगाना चाहिये और पुण्य बढाने की गतिविधियों में रहना चाहिये। प्रवक्ता पदमचंद सोगानी ने बताया कि धर्मसभा की मांगलिक क्रियायें एवं भक्तामर मंगल कलश की स्थापना प्रो. सुशील पाटनी-आशा पाटनी परिवार द्वारा की गई, इनका समिति के अध्यक्ष सुषील बाकलीवाल, कोमल लुहाडिया, प्रदीप पाटनी, पवन बाकलीवाल, राजेन्द्र पाटनी ने अभिनंदन पत्र देकर स्वागत किया।

48 दिवसीय श्री भक्तामर दीप अर्चना के अन्तर्गत भगवान आदिनाथ की प्रतिमा के समक्ष आचार्य मानतुंगाचार्य द्वारा रचित श्री भक्तामर स्त्रोत के 48 महाकाव्यों का संगीतमय पाठ प्रो. सुषील पाटनी एवं श्री दिगम्बर जैन संगीत मंडल के सदस्यों द्वारा किया गया।

मेधावी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों का सम्मान

सिकराय (दौसा)। स्वाधीनता की 75वीं वर्षगांठ की शुभ बेला में महात्मा गांधी उच्च माध्यमिक विद्यालय सिकराय दौसा में श्री हरप्रसाद हिंगवावाला स्मृति संस्थान द्वारा 10 विद्यालयों के 12वीं, 10वीं व 8वीं बोर्ड परीक्षा में प्रथम और द्वितीय स्थान पाने वाले 34 छात्र, छात्राओं और बोर्ड परीक्षा में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले 10 शिक्षकों को स्मृति चिन्ह व उपहार देकर सम्मानित किया गया।

भगवान श्रेयांसनाथ का मनाया मोक्ष कल्याणक

जैन गजट संवाददाता

जयपुर में भट्टारक जी की नसियां में आचार्यश्री सुनील सागर गुरूदेव ससंघ सहित सारा संघ धर्म की भव्य प्रभावना बढ़ा रहा है। चातुर्मास स्थल के पंडाल सन्मति सुनील मंडप में रक्षाबंधन विधान का आयोजन परम पूज्य क्षुल्लक श्री सुमित्र सागर जी महाराज एवं अमृता दीदी तथा विधान आचार्य रमेश गंगवाल के निर्देशन में हर्षोल्लास से हुआ।

श्री दिगम्बर जैन दातव्य औषधालय के नवीनीकृत सेवा केंद्र का उद्घाटन

कोलकाता। बड़ा बाजार के मछुवा फलपट्टी के पास स्थित श्री दिगम्बर जैन भवन में श्री दिगम्बर जैन दातव्य औषधालय के नवीनीकृत सुसज्जित सेवा केंद्र का उद्घाटन निर्मल पुष्पा बिंदायका ने किया। विधायक विवेक गुप्ता ने स्वाधीनता दिवस के अवसर पर सेवा केंद्र के समक्ष तिरंगे का ध्वजारोहण किया एवं संस्था के प्रयासों की सराहना की। समारोह में सेवा केंद्र में अपनी सेवा दे रहे कविराज एवं डॉक्टर गण का सम्मान किया गया। समारोह में प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित रमेश सरावगी ने संस्था के कार्यों की सराहना की। वहीं संस्था के श्री भागचंद्र जी काला ने संस्था के संपूर्ण इतिहास को श्रोताओं के समक्ष रखा एवं बताया कि 89 वर्ष पूर्व साहू शांति प्रसाद जी जैन एवं 6 अन्य गणमान्य ने मिलकर इस संस्था की स्थापना की एवं तब से लेकर अब तक अनेक लोगों ने संस्था को संभाला एवं सेवाएं की। इस अवसर पर कविराज श्रीवास्तवजी ने आयुर्वेद के अनेक गुण रहस्य को उजागर किया।

कार्यक्रम का संचालन जैन जनवाणी पत्रिका के संपादक दिनेश जैन धगड़ा ने किया। उद्घाटनकर्ता निर्मल बिंदायका ने संस्था को सलाह दी कि आप कोलकाता के हर अंचल में हर हफ्ता गोष्ठी आयोजित करें। कार्यक्रम को सफल बनाने में सागर जैन, निर्मल जैन, सुबोध पाटनी, विजय जैन, सुनील पहाड़िया, दिनेश गंगवाल एवं अन्य ने सहयोग दिया।

महाराष्ट्र राज्य में महासभा के त्रिवार्षिक चुनावों में सक्षम टीम का चयन

श्री डी. यू. जैन ठोले
अध्यक्ष-महासभा महाराष्ट्र

श्री अनूप कुमार कस्तूरचन्द पाटनी
महामंत्री-महासभा महाराष्ट्र

श्री वर्धमान बंसीलाल पाण्डे
अध्यक्ष-तीर्थ महाराष्ट्र

श्री महावीर दीपचन्द ठोले
महामंत्री-तीर्थ महाराष्ट्र

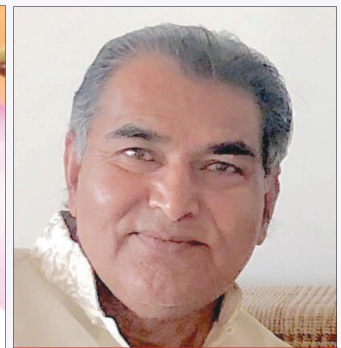

श्री नन्दकुमार स्वरूपचन्द ठोले
अध्यक्ष-श्रुत महाराष्ट्रं

श्री देवेन्द्र मदनलाल बाकलीवाल
महामंत्री-श्रुत महाराष्ट्र

महाराष्ट्र महासभा के संगठन के विस्तार और पहुँच की दृष्टि से सबसे बड़ा राज्य है। राज्य और उसके संभागों मराठवाड़ा, पश्चिम महाराष्ट्र, उत्तर महाराष्ट्र, विदर्भ और बृहन्नमुम्बई में महासभा की पैठ के मुकाबले किसी और संस्था की पहचान नहीं है। महाराष्ट्र राज्य में महासभा के समन्वय का उत्तरदायित्व राज्य स्तरीय प्रबंधकारिणी का है।

महाराष्ट्र राज्य के चुनाव 08 मई 2022 को कचनेर तीर्थक्षेत्र में हुये थे। उसमें श्री प्रकाशचन्द पूरणमल पाटनी, औरंगाबाद को महाराष्ट्र का महासभा अध्यक्ष निर्वाचित किया गया था। निर्णय हुआ था कि अन्य आयोजनों के होते उपस्थिति कम रही है अतः पूरी प्रबन्धकारिणी का चयन अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा सदस्यों की राय लेकर किया जाएगा। देवगति से श्री प्रकाशचन्द पूरणमल पाटनी का अकस्मात निधन हो गया, महाराष्ट्र महासभा अध्यक्ष का पद रिक्त हो गया। अतः महाराष्ट्र राज्य के चुनावों की प्रक्रिया पुनः कराने की आवश्यकता हो गई।

औरंगाबाद के महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारी श्री देवेन्द्र काला, जो कचनेर में केन्द्रीय चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किये गये थे, उन्हें महाराष्ट्र के चुनाव वृहद स्तर पर कराने का उत्तरदायित्व सौंपा गया। श्री देवेन्द्र काला ने महाराष्ट्र के विभिन्न भागों में महासभा की बैठकें की और विभिन्न क्षेत्रों को जोड़ते हुये सबकी राय लेकर महाराष्ट्र के चुनाव सफलता पूर्वक सम्पन्न कराये।

महासभा से दीर्घकाल से जुड़े हुये वरिष्ठ पदाधिकारी श्री डी. यू. ठोले, मुम्बई को सब क्षेत्रों की सर्वसम्मति से महाराष्ट्र महासभा अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। ज्ञातव्य है कि श्री डी. यू. ठोले को बृहन्नमुम्बई संभाग चुनाव में महासभा कार्याध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। औरंगाबाद के वरिष्ठ समाजसेवी श्री अनूपकुमार कस्तूरचन्द पाटनी को महाराष्ट्र महासभा महामंत्री निर्वाचित किया गया।

तीर्थ संरक्षिणी महासभा महाराष्ट्र अध्यक्ष पद श्री वर्धमान बंसीलाल पाण्डे, औरंगाबाद और तीर्थ संरक्षिणी महासभा महाराष्ट्र महामंत्री पद पर श्री महावीर दीपचन्द ठोले, औरंगाबाद का चयन किया गया। अभी हाल में ऑर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया, औरंगाबाद सर्किल द्वारा औरंगाबाद में विश्व प्रसिद्ध एलोरा गुफा समूह के सम्मुख स्थित 1975 में भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव के राष्ट्रीय कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थापित 'महावीर कीर्ति स्तम्भ' को हटाने का दुर्भाग्यपूर्ण प्रयास किया गया था, जिसे रोकने में श्री महावीर दीपचन्द ठोले एवं श्री वर्धमान बंसीलाल पाण्डे का प्रशंसनीय योगदान रहा है। श्रुत संवर्धिनी महासभा महाराष्ट्र अध्यक्ष पद पर श्री नन्दकुमार स्वरूपचन्द ठोले, पुणे एवं श्रुत संवर्धिनी महासभा महाराष्ट्र महामंत्री पद पर श्री देवेन्द्र मदनलाल बाकलीवाल, पुणे का चयन किया गया। इन दोनों का शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। श्री देवेन्द्र काला, औरंगाबाद की कार्यक्षमता देखते हुये महासभा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गजराज गंगवाल एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री प्रकाशचन्द्र बड़जात्या ने महाराष्ट्र के दो बचे हुये सम्भागों - उत्तर महाराष्ट्र व विदर्भ, जहाँ अभी चुनाव होने शेष हैं, में भी उनसे सहयोग देने का अनुरोध किया है।

गणिनी आर्यिका गौरवमती माताजी का समाधिमरण हुआ

जैन गजट

जयपुर 26 अगस्त। चारित्र चक्रवती आचार्य शांतिसागर जी महाराज के शिष्य आचार्य वीर सागर की शिष्या गणिनी आर्यिकारत्न सुपार्श्वमती माताजी की शिष्योत्तमा गणिनी आर्यिकाश्री गौरवमती माताजी का गुरूवार को मध्यरात्रि 11.22 बजे पर परम पूज्य आचार्यश्री सुनील सागर जी महाराज ससंघ सान्निध्य में समाधिमरण हो गया। गुरूवार को आचार्यश्री सुनील सागर जी महाराज ने श्याम नगर आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में जाकर माताजी को संबोधन दिया एवं भट्टारक जी की नसियां में आने का आशीर्वाद भी दिया। अस्वस्थ्य होते हुए भी माताजी ने गुरू आज्ञा का पालन करते हुए भट्टारक जी की नसियां में सायं 4.15 बजे के लगभग पदार्पण किया। किंतु काल की गति को अब तक कौन रोक पाया है। दिनभर आचार्यश्री श्री सुनील सागर जी महाराज एवं संघ के साधु-साध्वियों ने माताजी को कई पाठ सुनाए एवं दिनभर णमोकार का पाठ चलता रहा। दर्शनार्थियों की देर रात तक भीड़ बढ़ती रही एवं सभी माताजी की कुशलक्षेम पूछते रहे और उनके सुस्वास्थ्य होने की कामना करते रहे। किंतु मृत्यु के शाश्वत सत्य को आज तक कौन रोक पाया है। रात्रि 11.22 बजे माताजी ने णमोकार पाठ एवं भक्ति आराधना के बीच अंतिम श्वांस ली और वे सदा सर्वदा के लिए हमें छोड़कर चली गई।

अंतर्मना आचार्य प्रसन्नसागर अपने सिंहनिष्क्रिडीत की पूर्ति की ओर

इस व्रत के 400 दिन पूरे, 157 दिन शेष: देशभर से आए श्रद्धालुओं ने भक्ताम्बर दीपोत्सव का आयोजन किया

नरेन्द्र अजमेरा/पियुष कासलीवाल

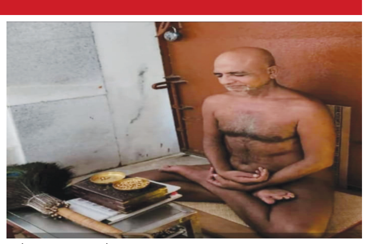

औरंगाबाद। पुष्पगिरि तीर्थ के प्रणेता गणाचार्य श्री पुष्पदंत सागर के शिष्य अंतर्मना आाचर्य प्रसन्नसागर महाराज की सिंहनिष्क्रिडीत 557 दिन में से 400 दिन का व्रत एवं मौन बिना किसी रोक-टोक के बीत गया। इस व्रत को पूरा करने के लिए सिर्फ 157 उपवास बचे हैं। इस मौके पर औरंगाबाद समेत देशभर से आए श्रद्धालुओं की ओर से भक्ताम्मर दीपोत्सव का आयोजन किया गया।

अमेरिका में 'तीर्थकर महावीर' का प्रदर्शन

अनिल बड़कुल

अमेरिका में बसे दिगम्बर जैन समाज के युवाओं ने जैन धर्म की प्रभावना हेतु तीर्थकर महावीर मूवी का निर्माण कर इसे प्रदर्शित किया। आपको सुखद आश्चर्य होगा कि अमेरिका के केलिफोर्निया सिटी में इसका शो 800 दर्शकों के साथ पूरी तरह फुल हाउस चला। लोगों ने देखा, सराहा एवं मुक्त कंठ से सराहा भी। युवाओं के प्रेरणास्तोत्र पूज्य मुनिश्री वीर सागर जी महाराज के द्वारा इस धर्म प्रभावक कार्य हेतु नार्थ अमेरिका के जैन युवाओं की इस टीम को आशीर्वाद प्रदान किया गया था।

जैन गजट साप्ताहिक, हर सोमवार को प्रकाशित पर्यूषण पर्व में विशेष कवरेज/ विज्ञापन आमंत्रित

चातुर्मास हेतु मंगल प्रवेश-स्थापना विज्ञापन, चातुर्मास प्रवचन, कार्यक्रम सभी सूचनाएं, विज्ञापन आमंत्रित हैं। जैन गजट साप्ताहिक है और हर सोमवार को प्रकाशित होता है। जैन गजट नियमित रूप से प्रकाशित हो रहा है तथा पीडीएफ फाइल भी अनेक ग्रुपों में भेजी जाती है। इसे लाखों लोग प्रति सप्ताह पढ़ रहे हैं। चातुर्मास में सभी मुनि संघों में यह अखबार प्रति सप्ताह चार माह जुलाई से नवम्बर तक भेजना प्रारंभ किया गया है। कृपया आचार्यों, मुनिराजों के चातुर्मास स्थान के पूर्ण पते भेजकर सहयोग प्रदान कीजिये।

शेष पृष्ठ 3 का...........

पर्यूषण पर्व : कषायों और विकारों को समाप्त करने वाला पर्व है

1-उत्तम क्षमा धर्म- क्रोध का अभाव होना क्षमा धर्म है। क्रोध करने का कारण होने पर भी जो क्रोध नहीं करता है उसे उत्तम क्षमा होता है। जैसे श्रीदत्त मुनिराज ने व्यन्तर देवकृत उपसर्गो को साम्य भाव से सहन किया और वीतराग निर्विकल्प समाधि कर केवलज्ञान प्राप्त कर मोक्ष गये।

2-विद्युतचर मुनिराज ने उत्तम क्षमा को धारण कर चामुण्डा व्यन्तरीकृत उपसर्ग को सहन किया और वीतराग भाव से समाधि कर केवलज्ञान होकर मोक्ष गये।

3-चिलाली मुनिराज व्यन्तरीकृत उपसर्ग को जीतकर धर्म ध्यान पूर्वक समाधि कर सर्वार्थ सिद्धि विमान में पैदा हुए।

4- गुरूदत्त मुनि पर कपिल ब्राह्मण ने उपसर्ग किया और वे उसे साम्य भाव से सहन कर केवलज्ञान प्राप्त कर मोक्ष गये।

2-उत्तम मार्दव धर्म- मृदुता (कोमलता) का भाव होना उत्तम मार्दव धर्म है। मान के अभाव को मार्दव धर्म कहते हैं। ज्ञान, पूजा, कुल, रूप, जाति, बुद्धि, तप, बल आदि का अभिमान नहीं करना मार्दव धर्म है। अभिमानी के दया-धर्म का मूल से ही प्रभाव होता है।

3- उत्तम आर्जव धर्मः- मन, वचन, काय की सरलता होना अर्थात कुटिल भावों को छोड़कर सरल हृदय से आचरण करना उत्तम आर्जव धर्म है। जो व्यक्ति दूसरे के साथ छल, कपट करता है वह स्वयं को ही धोखा देता है और दूसरे की उपेक्षा स्वयं का अहित अधिक करता है।

4-उत्तम शौच धर्म - लोभ का त्याग करना शौच धर्म है। लोभ को पाप का बाप बताया है। अर्थात सब पापों की जड़ लोभ है। लोभवश मनुष्य अनेक गलत कार्य करता है और अपना पतन करता रहता है। जैसे- स्वर्ण मुद्राओं के लोभ में महान पंडित ने वेश्या के हाथ भोजन ग्रहण किया।

5-उत्तम सत्य धर्म - सत्य बोलना और झूठे वचनों का त्याग करना सत्य धर्म है। सत्य प्रिय और हितकर भी होना चाहिए। ऐसा सत्य भी नहीं बोलना चाहिए जिसकी वजह से किसी निरपराध जीव के प्राण संकट में पड़ जावें। हमें असत्य वचनों से बचना चाहिए। क्योंकि एक बार बोली गई झूठ को छिपाने हेतु अनेक झूठ बोलनी पड़ती हैं।

सत्य धर्म प्रहरी की तरह निम्न प्रकार से हम भव्य जीवों को सतत सावधान करता रहता है-

बोलो तो तोलो तुम पहले,
वचन सुहित बोल करना।
यदि घर न किसी का बना सको
तो झोपड़िया न जला देना।
यदि मरहम पट्टी कर न सको तो
खार नमक न लगा देना।
यदि दीपक बनकर जल न सको
तो अंधकार भी मत बनना।

उत्तम सत्य धर्म का पालन राजा हरिश्चिन्द्र ने राजपाठ छोड़ दिया। उन्होंने उत्तम सत्य धर्म का पालन किया।

6- उत्तम संयम- उत्तम संयम का जीवन में बहुत ऊँचा स्थान है। संयम सभी धर्मो की आधार शिला है। यह धर्म रूपी प्रासाद की नींव है। जैसे-क्षमा में क्रोध का संयम निग्रह किया जाता है, मार्दव में कठोर परिणामों का और आर्जव में मायाचार का संयमन किया जाता है। सत्य में मुस्कान, मिथ्या वचन का नियमन होता है। शोक में लोभ का संयमन दमन होता है।

7-उत्तम तप धर्म- इच्छा निरोध तपः। इच्छाओं का निरोध करना तप है। अपने को राग द्वेष की प्रवृत्तियों से अलग रखना ही उत्तम तप धर्म है।

8- उत्तम त्याग धर्म- त्यागी और साधुओं को चारों प्रकार का दान देना, विषय कषायों का त्यागना उत्तम त्याग है। उत्तम त्याग सात क्षेत्रों में दिया जाता है। **1**-जिनबिम्ब स्थापन, **2**-जिनालय निर्माण, **3**-तीर्थक्षेत्रों की यात्रा करना, **4**-पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव, **5**-पात्र को 4 प्रकार का दान देना, **6**-जिन पूजा, **7**-सिद्धान्त लेखन। इन सप्त बेलों में दिया गया दान रत्नत्रय की वृद्धि एवं पुष्टि करता है।

9-उत्तम आकिंचन्य धर्म- उत्तम आकिंचन्य धर्म ज्ञानानंद स्वभाव निज आत्मा को छोड़कर अन्य कुछ भी मेरा नहीं है तथा पर के लक्ष्य से आत्मा में उत्पन्न होने वाले मोह राग द्वेष के भाव आत्मा के नहीं हैं ऐसा जानना, मानना और उनमें विरत रहना उत्तम आकिन्चय धर्म है।

10-उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म - ब्रह्मणि चरित इति ब्रह्मचर्य, ब्रह्म शब्द का अर्थ निर्मल ज्ञान स्वरूप आत्मा है। उस आत्मा में लीन हो जाना, आत्मा में ही रमण करना या प्रवृत्ति करना उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म है।

- संकलनकर्ता
महावीर प्रसाद अजमेरा
जैन गजट संवाददाता -जोधपुर

स्वतंत्रता संग्राम में जैन समाज का योगदान प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन

यूजीसी के सचिव प्रोफेसर रजनीश जैन के मुख्य आतिथ्य में हुआ उद्घाटन स्वतंत्रता संग्राम में जैन समाज का अविस्मरणीय अवदान: प्रो. रजनीश जैन, सचिव यूजीसी: आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत हुआ आयोजन

डॉ. सुनील जैन संचय

इंदौर (म.प्र.)। विजयनगर इंदौर स्थित श्री पंच बालयति मंदिर परिसर में स्थित तीर्थंकर वाटिका में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ब्रह्मचारी सुरेश भैया जी एवं ब्र. जिनेश मलैया जी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम में जैन समाज का अवदान चित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सचिव प्रोफेसर रजनीश जैन के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं देश के विभिन्न अंचलों से उपस्थित देश के मूर्धन्य जैन मनीषियों की गणमान्य उपस्थिति में फीता काटकर के प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया, इसके बाद उपस्थित मुख्य अतिथि एवं विद्वानों का पंच बालयति मंदिर समिति की ओर से सम्मान किया गया। इसके बाद सभा का आयोजन प्रतिष्ठाचार्य ब्रह्मचारी जय कुमार जी निशांत भैया के मंगलाचरण से किया गया तत्पश्चात् वक्ताओं ने पंच बालयति मंदिर द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर 'स्वतंत्रता संग्राम में जैन' इस पुस्तक की लेखिका डॉ. ज्योति जैन खतौली ने मुख्य अतिथि प्रोफेसर रजनीश जैन को उक्त पुस्तक भेंट की। इस मौके

पर शास्त्री-परिषद् के अध्यक्ष डॉ. श्रेयांस कुमार जैन बड़ौत, ब्रह्मचारी जय कुमार जी निशांत भैया टीकमगढ़, पंडित विनोद कुमार जी जैन रजवास, डॉ. सुनील जैन संचय ललितपुर आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि प्रोफेसर रजनीश जैन ने इस मौके पर कहा कि भारत सरकार देश की स्वतंत्रता के 75वें के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव धूमधाम से मना रहा है। देश को स्वतंत्र कराने में जैन समाज का भी अविस्मरणीय योगदान रहा है। हजारों लोगों ने स्वतंत्रता के संग्राम में अपना अहम् योगदान दिया है। 'स्वतंत्रता संग्राम में जैन' इस पुस्तक में बहुत ही महत्वपूर्ण जानकारियां संकलित की गई हैं, जो कि ऐतिहासिक दस्तावेज से कम नहीं है।

शेष पृष्ठ 1 का ....

इस पर्व की अलौकिकता यह है कि यह लोकाचार, लोक-व्यवहार से हटकर कुछ नया सोचने की प्रेरणा देता है। इस पर्व के साथ अनेक जीवों के आस्था-परमाणु जुड़े हुए हैं। वे अति व्यस्तता के बावजूद भी उसे नए ढंग से मनाने के लिए तैयार हो जाते हैं। परंतु आश्चर्य तो तब होता है जब कभी उपवास या एकाशन नहीं करने वाले लोग इस पर्व की हवा मात्र से जाग उठते हैं। बच्चे, जो रात-दिन खाने और खेलने में मस्त रहते हैं, वे भी इन दिनों रात को खाना छोड़ना, होटलों में नहीं जाना, सिनेमा नहीं देखना तथा आलू-प्याज न खाने का संकल्प खुशी से लेते हैं। क्या यह इस पर्व की अलौकिकता नहीं है? वर्तमान युग को हिंसक युग कहा जा सकता है, क्योंकि इस युग में नित्य नई हिंसक-विधाएं प्रगट हो रही हैं जैसे मारक शस्त्रों का विकास, मारक दवाइयों का आविष्कार तथा मारक पद्धतियों का प्रशिक्षण। हमारा देश दो बातों के लिए संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध था- एक चरित्र की ऊंचाई और दूसरी प्राणी मात्र के प्रति अहिंसा की भावना। हां, जीवन धारण के लिए जो हिंसा अनिवार्य है उसकी बात हमारे समझ में आती है परंतु बढ़ती हुई भ्रूण हत्याएं और प्रसाधन सामग्री के साथ जुड़ी हिंसाएं कहां तक उपयुक्त हैं? वर्तमान युग को सौंदर्य पिपासा ने आदमी को खूंखार बना दिया है। कौन नहीं जानता कि हमारा सौंदर्य चेहरे की चमक के साथ जुड़ा है लेकिन चमक जुड़ी है मन की पवित्रता के साथ। क्यों नहीं जैन कहलाने वाले सौंदर्य का दूसरा विकल्प खोज लें? इस प्रकार की बातों के लिए अति उत्तम समय है पर्यूषण पर्व। पर्यूषण पर्व जीवन में मैत्री को प्रतिष्ठित करने का त्यौहार है। अमैत्री या शत्रुता की चुभन ही पर्व को जीने में आपके लिए बाधक बन रही है। दूसरों को आप अपना मानिए। उनके साथ मैत्री की भावना से प्रेरित होकर मेल जोल का हाथ बढ़ाइए। उनके असद् व्यवहार से होने वाली मानसिक प्रतिकूलता को आप यह मानकर दूर करें - इससे उसका अहित होगा या नहीं किंतु मेरा अहित तो निश्चित ही है। अपने बड़प्पन को बड़प्पन से नहीं, किन्तु अपनी विनम्रता और भावी परिणाम को देखकर उसका परिहार करने का यत्न करें। यदि ऐसा आप करते हैं तो निश्चित ही आपके जीवन में मैत्री का अवतरण होगा और पर्यूषण पर्व आपके लिए सार्थक, फलदायी और जीवन को बदलने वाला बनेगा। मैत्री के प्रयोग की पृष्ठभूमि है जीवन में करूणा का घटित होना। जब तक एक-दूसरे के प्रति मानवीय संवेदना नहीं जागती तब तक करूणा का विकास नहीं हो सकता। आज मानव-मानव में करूणा का स्त्रोत सूखता जा रहा है। उसके स्थान पर क्रूरता, निर्दयता और नृशंसता पनप रही है। पर्यूषण पर्व जीवन को करूणा से आप्लावित करने का पर्व है। उसके परिप्रेक्ष्य में सबका कर्तव्य है कि हर कोई स्वयं का मान स्वयं करें और सोचे कि करूणा जीवन में घटित हुई है या नहीं? यदि घटित हुई है तो वह कहां तक, कब तक रहती है? सामाजिक परिवेश में रहने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपने लिए एक प्रश्नावली तैयार करे और स्वयं से पूछे- आप सत्ता में हैं, हो सकता है आपमें सत्ता का गर्व हो, उन्माद हो। उसके आधार पर क्या आप अपने से छोटों को हीन, दीन या लघु मानते हैं? मानवीय धरातल पर आप अपने नौकर के साथ अथवा मजदूर के साथ कैसा व्यवहार करते हैं? कहीं ऐसा तो नहीं है कि आप उसके खान-पान, रहन-सहन आदि में कटौती करते हों, उसे घटिया भोजन परोसते हों और रहने और पहनने आदि की सामान्य सुविधाएं भी न देते हों? दूसरों की पीड़ा को देखकर क्या कभी आपके मन में संवेदना का तार झंकृत होता है? यदि होता है तो आप दूसरों की पीड़ा दूर करने के लिए क्या करते हैं? क्या आप किसी के सहयोग के लिए तैयार होते हैं? यदि होते हैं तो उसका कितना और कब सहयोग कर पाते हैं? क्या आप में स्वार्थ की प्रबलता है? इसके आधार पर आप कितना परमार्थ कर पाते हैं? क्या यह तो नहीं होता है कि आपकी करूणा आपके पारिवारिक सदस्यों तक ही सीमित हो या पर के प्रति भी आपकी करूणा का प्रवाह उसी वेग से बहता है? यह जीवन की पोथी को पढ़ने के लिए एक पर्याप्त प्रश्नावली है। उसके आधार पर हर कोई का अंकन हो सकता है कि किसमें कितनी करूणा भरी हुई है। पर्यूषण पर्व मनाने का आनंद तभी आता है जब हृदय करूणा से भीगता है, आर्द्र होता है। जीवन के इस कोमल मानस को कभी निष्ठुर न बनने दें। वह हमेशा मृदु और ऋजु बना रहे, वहीं पर्व को मनाने की उपादेयता है। निष्कर्ष के रूप में यही कहना पर्याप्त है कि प्रत्येक व्यक्ति इस महान पर्व का मूल्यांकन करे और उसके विंब में अपने जीवन का मूल्यांकन करें और उन दोनों के मूल्यांकन से फलित होगा नया व्यक्ति, नया समाज। इस अवसर पर क्षमा-याचना की जो परंपरा है वह पारस्परिक कटुता को मिटाने का एक अपूर्व अवसर होता है। क्षमा-याचना तक ही सीमित रह जाते हैं। पर इसमें कोई संदेह नहीं है कि कटुता की गांठों को खोलने का यह एक बहुत सुंदर मौका होता है। इससे अभिस्नात होकर न जाने कितने लोगों ने अपने मन को पवित्र बनाने का प्रयास किया है। जटिल से जटिल गांठों को खोलने का यह एक सुंदर पर्व है। आवश्यकता यही है कि हर जैन इसे केवल परंपरा न बनाकर इसमें छिपे मनोविज्ञान को समझने का प्रयास करें।

जन्म दिन- 9.12.1933
स्वर्गवास- 4.9.2001

श्री स्व. माणक चंद जी गोयल जैन

लदाना वालों की 21 वीं पुण्य तिथि 4-9-022 पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

आपकी स्मृतियां आपकी छवि विस्मृत ना हो पायेंगी।
आपका व्यवहार आपकी बातें सदैव याद आयेंगी।।

-: श्रद्धावनत:-

महावीर कुमार-श्रीमति सुनिता जैन, विनोद कुमार-श्रीमति शशि जैन, विरेन्द्र कुमार-श्रीमति अल्का जैन (CA) (पुत्र-वधु), मितेश जैन-श्रीमति टीना जैन, अंकित-सुरभी (पौत्र-वधु), मीनू जैन-शिखर चंद जी जैन अजमेर, रीना जैन-योगेश जी जैन जयपुर (पौत्री-दामाद), रवि, आशु, एकांश, आस्था, अनुषा अक्षिता व तनवी (पौत्र-पौत्री) एवं समस्त गोयल परिवार लदाना वाले पागी जयपुर (राज.)

❍ प्रतिष्ठान:- गोदरेज व वोल्टास शोरूम, शान्तीनाथ इन्टरप्राइजेज, 70/72. AV टावर पटैल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर ❍ जैन बर्तन भंडार, फागी 9829061472

जैन पत्रकार महासंघ (रजि.)

रमेश जैन तिजारिया राष्ट्रीय अध्यक्ष, उदयभान जैन राष्ट्रीय महामंत्री पुनः सर्वसम्मति से मनोनीत

उदयभान जैन/राजाबाबू गोधा

जैन पत्रकार महासंघ (रजि.) की साधारण सभा की बैठक 21 अगस्त को प्रातः 9 बजे श्री महावीर तपोभूमि उज्जैन में महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया जयपुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

वर्तमान कार्य योजना मन्दिर - मन्दिर में पूर्व की भांति स्वाध्याय गद्दी (शास्त्र सभा) की स्थापना हो, अतिशय एवं तीर्थ क्षेत्रों पर पत्रकारों को प्राथमिकता के आधार पर आवास व अन्य सुविधाएं प्रदान करना, श्रेष्ठ और वरिष्ठ पत्रकारों को पुरस्कार से सम्मानित करना, साधु-सन्तों के आहार व विहार चर्या के सबंध में आदि विषयों पर मंथन व चिंतन हुआ और निर्णय हुआ कि स्वाध्याय सभा, बच्चों की धार्मिक पाठशाला, शिक्षण सभा का आयोजन कराया जाए, अच्छे पत्रकारों को इस वर्ष की भांति आगामी वर्ष में भी सम्मानित कराया जाए। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिलीप जैन ने सभा में प्रस्ताव रखा कि वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल पूर्ण हो गया है, अतः इस पर विचार किये जाने की आवश्यकता है। इस प्रस्ताव पर अभिषेक जैन - रामगंजमंडी और कशिश जैन - डूंगरपुर ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रमेश जैन तिजारिया और राष्ट्रीय महामंत्री श्री उदयभान जैन के नेतृत्व में वर्तमान कार्यकारिणी ने धार्मिक व सामाजिक हित के अनेक कार्यक्रम दिये हैं, इसलिए इस कार्यकारिणी को एक कार्यकाल का अवसर और देना चाहिए, इसका सभी ने समर्थन करते हुए, तालियां बजाकर अनुमोदन किया।

सभा का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने किया।

भगवान **आदिनाथ**

हमारी प्रेरणास्रोत
धर्मनिष्ठ, सरल स्वभावी, व्यवहार कुशल, मुनिभक्त एवं देव, शास्त्र गुरू की परम भक्त

स्व. श्रीमती कंचन बाई जैन

(स्वर्गवास 30 अगस्त, 1988)
की 34वीं पुण्यतिथि दिनांक 30 अगस्त 2022 पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि

"अर्पित है आपको अश्रुभरी भावांजलि,
देते हैं चरणों में आपको हार्दिक श्रद्धांजलि"

-: श्रद्धावनत् :-

विमल चन्द जैन, महावीर प्रसाद जैन, प्रकाश चन्द जैन, ज्ञानचन्द जैन एवं समस्त परिवार (दरा स्टेशन, जिला-कोटा)

प्रतिष्ठान

❍ श्री जैन ट्रेडिंग - अग्रवाल फार्म मानसरोवर, जयपुर
❍ श्री जैन प्रोपट्रीज - अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
❍ श्री जैन बिल्डिंग मैटेरियल सप्लायर्स - मुहाना मण्डी रोड, जयपुर
❍ शाह आर्किटेक्ट - बनीपार्क, जयपुर
❍ श्रीमाल किराणा स्टोर, दरा स्टेशन, कोटा

-: सौजन्य से:-
मीना जैन मेमोरियल ट्रस्ट
119/538, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
मो. 9413301367, 9772201367, 01412395520

जन्मतिथि-01.09.1920
पुण्यतिथि-08.09.1992

स्वर्गीय श्रीमती सरोज देवी जैन रांवका

धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री कैलाशचन्द्र जी शास्त्री के 01.09.2022 को 102वें जन्म दिन पर (शतायु पार) होने पर बहुत-बहुत मंगलमयी हार्दिक शुभकामनाएं

हमारी प्रेरणास्रोत सरल स्वभावी, सत्यनिष्ठ,
देव शास्त्र गुरू के प्रति समर्पित व मुनिभक्त
स्व. सरोंज देवी रांवका की 30वीं पुण्यतिथि 08.09.2022
पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि एवं शत् शत् नमन

-: श्रद्धावनत:-

महेन्द्र-निर्मला, डा. राजेन्द्र-उर्मिला, डा. निर्मल-शीला, सुरेन्द्र-इन्द्रा, रवि-आशिमा, प्रमोद-संगीता, मनोज-स्मिता जैन (पुत्र-पुत्रवधु), लता-अनिल जी शुक्ला (पुत्री-दामाद), संजय-सुनीता, अजय-गीतांजली, राजीव-सोनल, अमित-स्वाति, शनिल-अरूभा, साहिल-भूमिका (पौत्र-पौत्रवधु), शीना-हेमन्त (पौत्री-दामाद), नीरव, रीना, आशना, ऋषि, रोनिका, मनन (पौत्र, पौत्री), रूही, रोहन, रीया, यश, संजना, ऋषभ, श्रीया, राज, अर्श (प्रपौत्र, प्रपौत्री), आरोही (पड़पौत्री), जय-अमी (दोहिते-दोहिती बहू), सीमा-जौश (दोहिती-दोहिती पति), अलीना, दिलन (पड़दोहिते, दोहिती), ईस्टन, लैला (पड़दोहिते-दोहिती)

निवास: डी-58, सरोज निकेतन, ज्योति मार्ग, बापूनगर, जयपुर-302015
मो. 9829123527, 9928282419

श्री दिगम्बर जैन मालवा प्रांतिक सभा, बड़नगर के द्वारा संचालित लोकोपयोगी, आदर्श संस्थाओं को पर्यूषण पर्व एवं अन्य अवसरों पर "दान" देकर अक्षय पुण्य सम्पादन कीजिये

☞ श्री औषधालय: यहाँ आयुर्वेदिक औषधियाँ बिना मूल्य जनता को वितरित करता है। प्लेग, वातश्लेष ज्वर, इन्फ्लुएन्जा, मधुमेह, हैजा, पीलिया आदि संक्रामक रोगों को तत्काल आराम पहुंचता है। जहाँ कहीं से पूज्य मुनिराज, त्यागी व्रती के अस्वस्थ होने के समाचार संस्था को प्राप्त होने पर यहाँ से वैद्यजी को भेजकर औषधालय द्वारा चिकित्सा व्यवस्था की जाती है।

☞ छात्रावास (अनाथालय): इसमें समाज के ऐसे बालकों की सेवा की जा रही है जो अनाथ, असहाय या गरीब हैं। छात्रावास द्वारा आज तक करीबन 4000 बालकों का संरक्षण किया गया है, उनमें से हजारों बालक विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर कार्यरत हैं। वर्तमान में ऐसे 50 छात्रों को रखने के साथ भोजन, लौकिक शिक्षा, धार्मिक शिक्षा, कम्प्यूटर शिक्षा, आवास की सुन्दर व निःशुल्क व्यवस्था है।

☞ संस्था द्वारा एक आधुनिक छात्रावास भवन के नवनिर्माण का संकल्प लिया गया था, जिसका निर्माण कार्य होने जा रहा है, यह भी आप जैसे दानी महानुभावों पर निर्भर है। हाल एवं कमरों के निर्माण कराने वाले दानदाता का शिलालेख लगाया जायेगा।

☞ संस्था के 100 वर्ष (स्वर्ण जयन्ती): स्वर्ण जयन्ती के उपलक्ष्य में सन्मति विद्या मंदिर स्कूल का शुभारम्भ हुआ था, जिसमें पूर्ण रूपेण अंग्रेजी माध्यम द्वारा लौकिक शिक्षा द्वारा बच्चों को संस्कारवान, ज्ञानवान बनाने का प्रयास किया है, उनके लिये भी सहयोग देवें। वर्तमान में नर्सरी से कक्षा 12वीं तक संचालित हो रहा है, इसमें 965 छात्र-छात्रायें अध्ययनरत् हैं।

☞ पुरातत्व संग्रहालय: संस्था द्वारा संग्रहित जयसिंहपुरा उज्जैन में 560 भव्य प्राचीन अमूल्य अतिशय युक्त प्रतिमा एकत्रित की गई है। उनके संरक्षण की अत्यन्त आवश्यकता है, अवश्य सहयोग देवें। उज्जैन पधारकर अवलोकन करें। डिजिटल, एच.डी., थ्रीडी के रूप में अत्यंत सुन्दर रूप में निर्माण किया गया है।

☞ संस्था के अन्य विभागों में: जीव दया, उपदेशक, सरस्वती पुरातत्व, मंदिरों के जीर्णोद्धार आदि का भी संरक्षण होता है।

संस्था के विकास हेतु योजनाएँ

01. छात्रावास भवन में हॉल निर्माण	:	रू. 10 लाख
02. छात्रावास औषधालय भवन में कमरा निर्माण	:	रू. 51001
03. पुरातत्व संग्रहालय सहा.	:	रू. 25001
04. छात्रावास में छात्रों की गणवेश	:	रू. 15001
05. छात्रावास में छात्रों को एक माह जलपान	:	रू. 11001
06. सन्मति विद्या मंदिर के छात्रों को नाश्ता	:	रू. 7001
07. छात्रावास/औषधालय कमरों में पंखा	:	रू. 1501
08. छात्रावास औषाधालय में टेबल कुर्सी हेतु	:	रू. 2001
09. छात्रावास के छात्रों को एक दिन का भोजन	:	रू. 2001
10. औषधालय में औषधि वितरण 1 दिन हेतु	:	रू. 2001
11. छात्रावास के छात्रों को एक समय का भोजन	:	रू. 1501
12. जीव दया में पक्षियों का दान-जुवार प्रतिमाह	:	रू. 1001
13. स्थायी कोष छात्रावास/औषधालय में एक साथ	:	रू. 5001
14. छात्रावास के एक छात्र का वार्षिक खर्च देने पर (आजीवन) प्रतिवर्ष एक दिन आपकी ओर से भोजन या औषधि वितरित की जावेगी	:	रू. 21000

संस्था को आयकर की धारा 80 जी के अन्तर्गत छूट प्राप्त है, उसका लाभ लें दान राशि जमा कराने के बाद संस्था को सूचित अवश्य करें।

अतः साधर्मी भाई-बहनों से निवेदन है कि इस संस्था की धार्मिक एवं पारमार्थिक/जीवदया आदि सेवाओं को ध्यान में रखते हुए दानराशि भेजकर सहयोग प्रदान करें। यह संस्था समाज में 122 वर्षों से अपनी सेवायें देती आ रही है, इसका कोई खास स्थायी फण्ड नहीं है। करीबन 3.50 लाख रूपया मासिक खर्च की पूर्ति समाज के दान से ही होती है। दानराशि जमा कराने के उपरांत समाचार दें, ताकि रसीद भेजी जा सके।

विशेषः दानराशि श्री दिगम्बर जैन मालवा प्रांतिक सभा बड़नगर के नाम से स्टेट बैंक ऑफइंडिया IFSC Code - SBIN IFSC Code -0030063 खाता 53025884567 एवं पंजाब नेशनल बैंक बड़नगर IFSC Code - PUNB0323500 खाता 3235000100027870 में जमा करा सकते हैं।

सहायता भेजने के पते

❍ श्री दिगम्बर जैन मालवा प्रांतिक सभा, बड़नगर जिला-उज्जैन-456771 (म.प्र.)
फोनः (07367) 225632 मो. 09425495133 (प्रबंधक)

❍ कोषाध्यक्ष (कार्यालय) - श्री महावीर ट्रस्ट रिगल चौराहा (कीर्ति स्तम्भ के नीचे), 65 एम.जी.रोड, तुकोगंज, इन्दौर
फो. 0731-2527483

-: निवेदक:-

आदित्य कु. सिंह कासलीवाल (सभापति)
अमित कुमार सिंह कासलीवाल (कोषाध्यक्ष)

तेज कुमार शाह (महामंत्री)

तेज कुमार वेद, के. सी. जैन (उपाध्यक्ष)

अशोक कुमार शाह (ट्रस्टी)
आर . के. जैन (ट्रस्टी)
राहुल कासलीवाल (ट्रस्टी)

प्रदीप कुमार गदिया, (ट्रस्टी)
जितेन्द्र कुमार काला (ट्रस्टी)
मनोज कुमार बिलाला (सहा. महामंत्री)

तपो भूमि उज्जैन में आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज के ससंघ सान्निध्य में जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अधिवेशन में

जैन गजट को मिला स्व. राजेन्द्र के. गोधा की स्मृति में प्रथम पुरस्कार

पत्रकारिता एक बहुत बड़ा धर्म है, अतः पत्रकारों का यह अधिवेशन आचरण का अधिवेशन है : आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज

3 वरिष्ठ व विशिष्ठ पत्रकार जैन पत्रकारिता साहित्य पुरस्कारों से सम्मानित

उदयभान जैन/सुनील संचय/राजाबाबू गोधा

जैन गजट की ओर से पुरस्कार ग्रहण करते हुये एवं आचार्य श्री का आशीर्वाद लेते हुये जैन गजट के प्रबंध सम्पादक व प्रकाशक श्री सुधेश कुमार जैन, लखनऊ। उन्हें प्रशस्ति पत्र, श्रीफल, साहित्य, माला, साल एवं 11000/- रूपये की पुरस्कार राशि का चैक देकर महासंघ के रमेश जैन तिजारिया, हंसमुख गांधी, राजेंद्र जैन महावीर, उदयभान जैन, अकलेश जैन, सुनील संचय, दिलीप जैन, मनीष विद्यार्थी, डॉ. प्रगति जैन, राकेश चपलमन, महेंद्र बैराठी, संजय बड़जात्या आदि पदाधिकारियों एवं अतिथि तथा समन्वयकों द्वारा सम्मानित किया गया।

जयपुर। महावीर तपोभूमि उज्जैन में जैन पत्रकार महासंघ (रजि.) के दो दिवसीय राष्ट्रीय पत्रकार सम्मेलन के द्वितीय दिवस रविवार 21 अगस्त को पत्रकारों को संबोधित करते हुए तपोभूमि प्रणेता परम पूज्य आचार्य श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज ने कहा कि पत्रकार के हाथ की कलम बड़ी कीमती है। कलम में बहुत बड़ी ताकत है। पत्रकारिता एक बहुत बड़ा धर्म है, अतः पत्रकारों का यह अधिवेशन आचरण का अधिवेशन है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा पत्रकार यदि कोई था तो वह राजा श्रेणिक था। जिसने भगवान महावीर से 60000 प्रश्न पूछे थे। प्रथम सत्र कार्यक्रम की अध्यक्षता जैन गणितज्ञ डॉक्टर अनुपम जैन इंदौर ने की। मुख्य अतिथि कमलेश कासलीवाल एवं विशिष्ट अतिथि अशोक जैन संस्थापक अध्यक्ष तपोभूमि उज्जैन एवं सुनील जैन रहे। इस अवसर पर मुख्य वक्ता पंकज मुकाती ने डिजिटल संसाधनों का पत्रकारिता में उपयोग विषय पर विशेष व्याख्यान दिया जिसमें उन्होंने कहा कि ज्ञान बटोरिये किन्तु उससे पहले टटोल लीजिए। सोशल मीडिया के भरोसे पत्रकारिता न करें। कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण एवं महासंघ का वार्षिक प्रतिवेदन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन बड़जात्या जयपुर द्वारा पढ़ा गया। **दोपहर के समापन सत्र की** अध्यक्षता प्रदीप जैन रायपुर सदस्य प्रेस कांउसिल ऑफइंडिया ने की, मुख्य अतिथि पारस चैनल के चेयरमैन प्रकाश मोदी रायपुर रहे। स्वागत भाषण महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया द्वारा दिया गया। जैन पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन जयपुर ने अवगत् कराया कि जैन रत्न, समाज भूषण श्री राजेंद्र के गोधा स्मृति जैन पत्रकारिता पुरस्कार साप्ताहिक जैन गजट को जिसके प्रतिनिधि के रूप में श्री सुधेश कुमार जैन, प्रबंध संपादक जैन गजट लखनऊ ने प्राप्त किया। बागड़ गौरव श्री सोहनलाल जी गांधी स्मृति जैन पत्रकारिता पुरस्कार श्रीमती ममता अनिल गांधी संपादक जैनाचार पत्रिका मुंबई को एवं तीर्थ सेवी श्री पूरन चंद जैन स्मृति साहित्य पत्रकारिता पुरस्कार डॉक्टर सूरज मल जैन बोबरा इंदौर को प्रदान किया गया। संचालन अधिवेशन कार्यक्रम संयोजक राजेंद्र महावीर सनावद, सुनील संचय ललितपुर, प्रगति जैन इंदौर ने किया। **स्वागत भाषण महासंघ के अध्यक्ष रमेश तिजारिया जयपुर द्वारा किया गया।** इस अवसर पर देश के विभिन्न स्थानों से आए जैन संपादकों पत्रकारों ने अपना अपना परिचय दिया। 8 राज्यों के जैन पत्रकार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आचार्यश्री ने जैन गजट को दिया मंगल आशीर्वाद

राजाबाबू गोधा, संवाददाता

श्री महावीर तपोभूमि उज्जैन की पावन धरा पर तपोभूमि प्रणेता आचार्य 108 प्रज्ञासागर जी मुनिराज के पावन सान्निध्य में जैन पत्रकार महासंघ के तृतीय अधिवेशन में 127 वर्ष पुराने समाचार पत्र जैन गजट का आचार्यश्री ने विमोचन कर भव्य मंगलमय आशीर्वाद दिया। आचार्यश्री ने अवलोकन कर कहा कि इस पत्रिका को घर-घर में मंगवाना चाहिए। इसके माध्यम से साधु संतों तथा समाज की गतिविधियों की जानकारी प्राप्त होती है। उक्त विमोचन में पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश जैन तिजारिया, कार्यक्रम संयोजक हंसमुख गांधी-इंदौर, उपाध्यक्ष राजेंद्र महावीर-सनावद, महामंत्री उदयभान जैन, कोषाध्यक्ष दिलीप जैन, महेंद्र बैराठी, पारस चैनल के डायरेक्टर मोदी-छत्तीसगढ़, प्रदीप जैन पत्रकारिता के क्षेत्र में आगे, जैन गजट के वरिष्ठ पत्रकार महावीर सरावगी, प्रकाश पाटनी, रविन्द्र काला, मनोज सोनी, अभिषेक जैन लुहाड़िया, जैन गजट के प्रबन्ध सम्पादक सुधेश जैन तथा फागी संवाददाता राजाबाबू गोधा सहित सभी पत्रकारगणों ने इस विमोचन में सहभागिता निभाई।

माँ का स्थान सर्वश्रेष्ठ : मुनिश्री विशेष सागर जी

शशांक जैन, मुलावा

जामनेर। चिंतामणी पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जामनेर (महा.) दया, करूणा, प्रेम, वात्सल्य, ममता का नाम है माँ, माँ की महिमा को जानने वाला ही महात्मा व परमात्मा को जान सकता है, जीवन में मां को पाना उनके आशीर्वाद की प्राप्ति करने से बड़ी कोई उपलब्धि नहीं। दुनिया में माँ का स्थान सर्वश्रेष्ठ है। उक्त उद्गार प. पू. आचार्य विरागसागर जी महाराज के सुशिष्य परम पूज्य श्रमण मुनि 108 विशेष सागर जी महाराज ने चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जामनेर में विराट धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा। पू. मुनिश्री ने आगे कहा कि महापुरूषों तीर्थकर को जन्म देने वाली मां है। मां ने ही धर्म संस्कृति की रक्षा की है। दुनिया के संपूर्ण शब्दकोशों में से ज्यादा प्यारा सम्मानीय शब्द नहीं है। दुनिया के उपकार को चुकाया जा सकता है, लेकिन मां के उपकार का बदला सौ में भी नहीं चुका सकते, दूध का कर्ज कभी नहीं चुका सकते। जिस मां ने नौ माह तक कोख में रखा, जन्म देकर पढ़ाया-लिखाया, तुम्हारी इच्छाओं को तुम्हारी पूर्ति की, स्वयं भूखे रहकर तुम्हें भर पेट खिलाया, स्वयं कष्ट वेदना सहन की पर तुम्हें कुछ नहीं कहा। धिक्कार हो उन पुत्रों को, संतान को जो माता-पिता की उपेक्षा करता है अपमान करता है। पू. मुनिश्री ने आगे कहा कि जो पुत्र पूजा-पाठ, दान व तीर्थ यात्रा तो करता है, पर माता-पिता का अनादर करता है, उपेक्षा करता है, उपकार नहीं मानता वह महापापी है। श्रवण कुमार ने अपने अंधे माता-पिता को कंधे में बैठा कर चारों धाम की यात्रा कराया। एक तुम हो कि घर में भी उनका ख्याल नहीं रखते। पुत्र एक हो पर नेक हो। सुयोग्य हो जो बुढ़ापे में सेवा करे। अंत समय में णमोकार मंत्र सुनाये, गुरू के पास ले जाये। परम पूज्य आचार्य भगवन विराग सागर जी महाराज के समान मां की समाधि कराये। वो मां कितनी सौभाग्यशाली है जिसका पुत्र पिच्छी, कमंडल लेकर इर्या समिति का पालन करता हो, धिक्कार हो उन माता-पिता के कुपुत्र को जो माता-पिता का अपमान करते हैं, मदिरालय जाते हैं, जो बच्चे पुण्य से प्राप्त से प्राप्त माता-पिता को वृद्धाश्रम भेजते हैं वे अपने पुण्य को संचित करते हैं और सुख शांति के द्वार बंद कर देते हैं, अतः सपने में भी माता-पिता को वृद्धाश्रम भेजने की मत सोचना।

जैन गजट एवं सामाजिक समाचार पत्रों को दीजिए विज्ञापन सहयोग

सकारात्मक बातें, गुरूजनों के प्रवचन, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक समाचार और जानकारियों को प्राथमिकता से प्रकाशित करने वाले सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं को समय-समय पर आर्थिक सहयोग देकर उनकी निरंतरता में सहयोग देना चाहिए। जिन सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन लगातार रूप से होता है। उनमें जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ व किसी उपलब्धि की बधाई का, प्रतिष्ठान का, प्रोडक्ट का अथवा अपने स्वजन के श्रद्धांजलि, तीये की बैठक का विज्ञापन देकर या किसी अन्य तरह से विज्ञापन देकर, इन सभी मौकों पर सहयोग करके इन पत्र-पत्रिकाओं की निरंतरता सुनिश्चित करनी चाहिए। प्रायः देखा जाता है कि जिनके पास पर्याप्त आर्थिक संसाधन होते हैं वो भी आश्चर्यजनक रूप से इन सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं को अल्प राशि के विज्ञापन सहयोग के लिए भी तुरंत मना ही कर देते हैं, बड़ी ही सहजता से इनकार करने वाले ये वो सामाजिक साथी होते हैं, जिन्हें ईश्वर ने समुचित और पर्याप्त रूप से आर्थिक संसाधन दिए हुए हैं लेकिन इन पत्र-पत्रिकाओं को छोटे-छोटे विज्ञापन संदेश देने में भी बहुत विचार करते हैं। इस असहयोग से सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं का भविष्य खतरे में नजर आता है। सम्पूर्ण सामाजिक साथियों को इस विषय पर गंभीरता से सोचना चाहिए। चूंकि इन सामाजिक पत्र-पत्रिकाओं को सरकारी अनुदान भी नहीं मिलता है और सारे प्रबंधकीय खर्चे निरंतर बने रहते हैं। इसलिए सामाजिक समाचार-पत्रों को प्रबल प्रोत्साहन रूपी संबल के रूप में विज्ञापन सहयोग दिया जाना चाहिए।

निवेदक- जैन गजट परिवार

पंजीकृत समाचार पत्र
R.N.I. NO. 59665/92

Posted at R. M. S, Char bagh, Lko. on Every Monday, wednesday and thursday

डाक पंजीयन संख्या :
SSP/LW/NP/115/2021-2023

From-
If Undelivered Please Return To : Publisher- Jain Gazette C/o Sri Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish bagh, Lucknow - 226004 (U. P.) (INDIA) Mob. 7880978415, 9415108233, 7505102419 **Web site-** Jaingazette.com
email- jaingazette2@gmail.com **whatsapp** 7607921391

To,

....

....

एक प्रति का मूल्य 3/- रुपये (कार्यालय से लेने पर)

वार्षिक सदस्यता शुल्क 300/-, दस वर्षीय आजीवन शुल्क 2100/-

(डाक/कोरियर से मंगाने पर खर्च अतिरिक्त देय होगा)

Printed and published by SUDHESH KUMAR JAIN on behalf of SHRI BHARATVARSHIYA DIGAMBAR JAIN MAHASABHA and printed at The Indian Express Pvt. Ltd. C 26 Amousi industrial area Lucknow Uttar pradesh and published at Nandishwar Flour Mills Compound, Mill Road, Aish Bagh, Lucknow-226004 Uttar pradesh Editor- KAPOOR CHANDRA PATNI

जैन गजट संबंधी सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही मान्य होगा। लेखक के विचारों से संस्था या सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।